INS ACCREDITED
यूनिकॉम एडवरटाइजिंग
unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

यूनिक समय

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-73 | सांध्य दैनिक | मथुरा, रविवार, 10 मई 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

गर्मी में आग बनी गांवों की सबसे बड़ी आफत

लपटों में जल रहे बच्चों के सपने, किसानों की मेहनत

गांवों में धधकता संकट, चीखें, धुआं और राख

यूनिक समय, मथुरा। फरह ब्लॉक के ओल गांव में अप्रैल 2026 की रात करीब एक बजे शॉर्ट सर्किट से राजेश की कैंटीन में लगी आग ने पूरे इलाके को दहला दिया। तेज धमाकों से छत तक उड़ गई। पांच फ्रिज, कोल्ड ड्रिंक, खाने–पीने का सामान और फर्नीचर जलकर राख हो गया। आग इतनी भयंकर थी कि आसपास के लोग बच्चों को गोद में उठाकर घरों से भागते नजर आए। दमकल कर्मियों ने घंटों मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। कैंटीन संचालक राजेश ने बताया कि इस अग्निकांड में उन्हें लगभग15 लाख रुपये का नुकसान हुआ है।

फूस, शॉर्ट सर्किट और लापरवाही बन रही हादसों की वजह

सिटी रिपोर्टर

यूनिक समय, मथुरा। जिले के ग्रामीण अंचल में गर्मी के मौसम में आग की भयावह लपटें जिंदगी का सबसे दर्दनाक सच बनकर सामने आ रही हैं। फूस की झोपड़ियां, भूसे के ढेर, खेतों में सूखी फसलें, जर्जर बिजली लाइनें। लटकते झूलते तार और रसोई की छोटी सी लापरवाही। ये सब मिलकर ऐसी आग पैदा कर रहे हैं, जो सिर्फ मकान ही नहीं जलाती, बल्कि बच्चों की हंसी, माताओं की गोद, किसानों की सालभर की कमाई और मवेशियों की सांसें तक छीन लेती है।

मथुरा के ग्रामीण इलाकों में मार्च माह से जून के बीच आग की घटनाएं तेजी से बढ़ती हैं। गर्म हवाएं और सूखा वातावरण आग को कुछ ही मिनटों में गांव तक पहुंचा देता है। एनसीआरबी और उत्तर प्रदेश फायर सर्विसेज के आंकड़ों के मुताबिक मथुरा में वर्ष 2025 में आग की घटनाओं में करीब 4377100 रुपये का नुकसान हुआ, जिसमें सबसे ज्यादा नुकसान गरीब परिवारों को हुआ है, जहां महिलाएं, बच्चे और पशुधन सबसे बड़े शिकार बनते हैं।

गांवों में पुरानी वायरिंग, अवैध कटिया, ओवरलोड बिजली और लटकते हाई टेंशन तार, एलपीजी सिलेंडर लीकेज और खेतों में पराली जलाना हादसों की सबसे बड़ी वजह बन रहे हैं।

ग्रामीणों के मुताबिक कई बार बच्चे खेल–खेल में माचिस जला देते हैं, तो कहीं चूल्हे की अधजली लकड़ी पूरी रात आग लगने का कारण बन जाती है। सबसे भयावह स्थिति तब बनती है जब आग फसल, भूसे और चारे के ढेर तक पहुंच जाती है। वहां से उठी लपटें पशुओं को जिंदा जला देती हैं।

भूसे की आग में जलती किसानों की उम्मीदें

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा के छाता तहसील के विशम्भरा गांव के किसान टुट्टी की खेतों में रखी पशुओं के चारे की दो बड़ी बुर्जियां पूरी तरह जलकर नष्ट हो गई, वहीं बिलोडा–औंधुता, नीमगांव और मांट क्षेत्र में भी किसानों के खेतों और भूसे में लगी आग ने किसानों को आर्थिक रूप से तोड़ दिया। कहीं 50 बीघा भूसा जल गया, कहीं ट्रैक्टर और इंजन तक राख हो गए। कई मामलों में पशुओं के लिए रखा सालभर का चारा खत्म हो गया। ग्रामीणों का कहना है कि "एक आग सिर्फ खेत नहीं जलाती, किसान की पूरी अर्थव्यवस्था खत्म कर देती है।"

जब आग में घिर जाते हैं बच्चे और मवेशी

यूनिक समय, मथुरा। पुरानी घटनाओं में गांव दतिया की छह महीने की मासूम बच्ची गूदिया जिंदा जल गई थी। कई गांवों में आग के दौरान बच्चे धुएं और लपटों में फंस जाते हैं। दूसरी ओर बंधे हुए पशु खुद को बचा नहीं पाते। गाय, भैंस, बछड़े और बकरी जिंदा जल जाती हैं। एक भैंस के जलने का मतलब है दूध बंद, आमदनी बंद और परिवार कर्ज में डूबना।

मुख्य अग्निशमन अधिकारी अरुण कुमार

मुख्य अग्निशमन अधिकारी अरुण कुमार ने बताया कि झोपड़पट्टी क्षेत्रों में आग से बचाव को लेकर 21 योजनाओं के तहत समय–समय पर जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। वर्तमान में जिले में 10 दिवसीय विशेष अभियान संचालित है तथा करीब 1000 प्रशिक्षित अग्नि सचेतक अभियान से जुड़कर लोगों को सुरक्षा के प्रति जागरूक कर रहे हैं।

सीट बेल्ट ने बचाई कार चालक की जान

तेज रफ्तार बनी हादसे का कारण

कार की टक्कर से ट्रैक्टर पलटा

सिटी रिपोर्टर

यूनिक समय, फरह। फरह–अछनेरा रोड पर शनिवार की सुबह तेज रफ्तार और लापरवाही हादसे का कारण बन गई। अछनेरा की ओर से तेज गति से आ रही स्विफ्ट कार ने आगे चल रहे वाहन को ओवरटेक करने के प्रयास में सामने से आ रही पत्थर, गार्डर और सीमेंट से लदी ट्रैक्टर ट्रॉली को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि ट्रैक्टर का एक्सल हाउसिंग टूट गया और पूरा ट्रैक्टर सड़क किनारे पलट गया, जबकि कार का भी अगला हिस्सा चकनाचूर हो गया। घटना करीब पौने ग्यारह बजे करनपुर चौराहा और नगला शंकरपुर के बीच हुई। फरह की ओर से ट्रैक्टर चालक ट्रॉली में मकान के पटाव के लिए पत्थर, गार्डर और सीमेंट के कट्टे लादकर बाकलपुर जा रहा था। इसी दौरान अछनेरा की तरफ से तेज रफ्तार में आई स्विफ्ट कार ने अपने आगे चल रहे वाहन को ओवरटेक करने का प्रयास किया। ओवरटेक के दौरान कार पहले ट्रैक्टर के पिछले पहिए से टकराई और फिर ट्रॉली के पहिए में जा घुसी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि टक्कर से ट्रैक्टर का एक्सल हाउसिंग टूट गया और ट्रैक्टर मौके पर ही अनियंत्रित होकर पलट गया, वहीं ट्रैक्टर चालक उछलकर दूर जा गिरा और घायल हो गया। कार चालक को सीट बेल्ट लगे होने के कारण मामूली चोटें आईं। हादसे के बाद कुछ देर के लिए सड़क पर अफरा–तफरी मच गई। जोरदार आवाज सुनकर राहगीर रुक गए और आसपास के लोग घटना स्थल की ओर दौड़ पड़े।

घटना के चलते सड़क पर जाम की स्थिति बन गई। सूचना मिलते ही डायल–112 पीआरवी पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को प्राथमिक उपचार के लिए फरह सीएचसी भेजा। पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहनों को हटवाकर यातायात सुचारू कराया। स्थानीय लोगों का कहना है कि फरह–अछनेरा रोड पर लगातार बढ़ती तेज रफ्तार और खतरनाक ओवरटेकिंग आए दिन हादसों को न्योता दे रही है। सड़क पर भारी वाहनों और तेज गति से दौड़ती कारों के बीच जरा सी लापरवाही बड़ी दुर्घटना में बदल रही है।

सख्ती

पारदर्शिता बढ़ाने को बिजली विभाग ने लागू की नई व्यवस्था

बॉडी वॉर्न कैमरों में कैद होगी बिजली चोरों की हरकत

यूनिक समय, मथुरा। बिजली चोरी रोकने के लिए बिजली विभाग ने नई व्यवस्था लागू कर दी है। अब बिजली विभाग और विजिलेंस टीम की हर छापेमारी "बॉडी वॉर्न कैमरे" की निगरानी में होगी। यानी अधिकारी जो भी कार्रवाई करेंगे, उसकी पूरी वीडियो रिकॉर्डिंग होगी। इससे कार्रवाई में पारदर्शिता आएगी और विवाद भी कम होंगे। नई व्यवस्था के तहत टीम जब कार्यालय से निकलेगी तभी कैमरा चालू कर दिया जाएगा। कैमरे में टीम के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों का परिचय रिकॉर्ड होगा। इसके बाद जिस जगह चेकिंग होगी, वहां पहुंचते ही पूरी कार्रवाई कैमरे में रिकॉर्ड की जाएगी। विजिलेंस टीम की रेड में उपनिरीक्षक कैमरा पहनेंगे,

विभागीय टीम की कार्रवाई में जेई या एसडीओ कैमरा लगाएंगे और संयुक्त कार्रवाई में विजिलेंस टीम के जेई को कैमरा पहनना होगा। अगर कैमरा खराब होगा या सही तरीके से काम नहीं करेगा तो कोई भी छापेमारी नहीं की जाएगी। चेकिंग के दौरान बिजली चोरी, मीटर में गड़बड़ी और अन्य अनियमितताओं से जुड़े सभी सबूत कैमरे में रिकॉर्ड किए जाएंगे।

मुख्य अभियंता की लिखित अनुमति के बिना कोई भी रिकॉर्डिंग डिलीट नहीं की जायेगी

अगर मौके पर बिजली कनेक्शन काटा जाता है तो उसकी वीडियो भी बनाई जाएगी।

उपभोक्ता को चेकिंग रिपोर्ट देने की प्रक्रिया भी रिकॉर्ड होगी। यदि कोई रिपोर्ट लेने से मना करेगा तो घर या दुकान के बाहर नोटिस चस्पा करने की कार्रवाई भी कैमरे में रिकॉर्ड की जाएगी। साथ ही कार्रवाई पूरी होने के बाद टीम कार्यालय लौटकर चेकिंग का संक्षिप्त विवरण रिकॉर्ड करेगी। उसके बाद ही कैमरा बंद किया जाएगा। कैमरे में लगभग 12 दिन तक की रिकॉर्डिंग सुरक्षित रहेगी। बाद में इसे हार्ड डिस्क और सर्वर में सेव किया जाएगा। मुख्य अभियंता राजीव गर्ग ने बताया कि बिना मुख्य अभियंता की लिखित अनुमति के कोई भी रिकॉर्डिंग डिलीट नहीं की जा सकेगी। जिससे आए दिन आने वाली भी शिकायतें और विवाद कम होंगे और जो भी कार्रवाई होगी उसमें भी पारदर्शी आएगी। उन्होंने बताया कि उपभोक्ता और कर्मचारी आपस में आरोप लगाते थे अब उनकी असलीयत बॉडी कैमरे में रिकार्ड हो जाएगी। पूरी असलीयत इस कैमरे में कैद हो जाएगी।

साइना अब्बासी ने हजारों महिलाओं को दी नई पहचान

सिलाई सीखकर आत्मनिर्भर बन रही वृंदावन की महिलाएं

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। उसके मन में हर बहन को आत्मनिर्भर बनाने का जज्बा है। वह नहीं चाहती कि कोई दूसरे पर निर्भर रहे। अपने पैरों पर खड़ी होकर स्वावलंबी बनें और अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत करे। उसने अब तक करीब तीन हजार महिलाओं को आत्मनिर्भर बना कर उनको एक नई ताकत का अहसास कराया है।

बस स्टेशन के पास गोपाल वाटिका में वृंदावन सेवा संस्थान के बैनर तले चल रहे सिलाई प्रशिक्षण केंद्र में युवतियों को निशुल्क सिलाई का प्रशिक्षण देकर आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है। इस प्रशिक्षण देने का कार्य साइना अब्बासी कर रही है। वह खुद बीए पास है। उसने खुद भी इसी प्रशिक्षण केंद्र में कपड़े सिलाई का कार्य सीखा। फिर उसके मन में आया कि बदलते समय को देखते हुए दूसरी बहन बेटियों को आत्मनिर्भर बनाने की कोशिश की जाए। इस काम को पूरा करने के लिए उसने बीड़ा उठाया और सिलाई केंद्र में हैड प्रशिक्षक बनकर दूसरी लड़कियों और महिलाओं को कपड़े सिलाई का प्रशिक्षण दिया। उसके मन को यह तसल्ली है कि उसने अब तक कम से कम तीन हजार महिलाओं को कपड़ा सिलाई का प्रशिक्षण देकर उनको आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में बडा काम किया है। साइना अब्बासी की मानें तो वृंदावन सेवा संस्थान के प्रशिक्षण केंद्र में कई महिलाएं तो शादी शुदा भी आती है और वह अच्छी खासी पढ़ी लिखी है। उसे इस बात का गर्व है कि प्रशिक्षण पूरा कर चुकी अधिकांश महिलाओं ने अपने घर पर कपड़े का सिलाई का काम शुरु कर दिया और महीने में 15 से 20 हजार रुपये कमा भी रही हैं।

गोपाल वाटिका में चल रहे सिलाई प्रशिक्षण केंद्र में महिलाओं को प्रशिक्षण देती साइना अब्बासी।

कपड़ा सिलाई का प्रशिक्षण लेकर आत्मनिर्भर बन रही हैं महिलाएं

साइना अब्बासी ने तीन हजार महिलाओं को निशुल्क दिया प्रशिक्षण

यातायात के नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों की धर पकड़

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। परिवहन विभाग ने ध्वनि प्रदूषण फैलाने वाले और नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के विरुद्ध अभियान चलाया।

वरिष्ठ सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) राजेश राजपूत की अगुवाई में चली इस कार्रवाई से वाहन स्वामियों में हड़कंप मच गया। टीम ने शहर के विभिन्न चौराहों पर लगभग 185 वाहनों की जांच की। इसमें विशेष रूप से मानक के विपरीत दोपहिया वाहनों मॉडिफाइड साइलेंसर लगवा रखे थे। उनको रोका गया और अधिकारियों ने दो दर्जन से अधिक ऐसे वाहनों के चालान काटे। प्रतिबंधित प्रेशर हॉर्न का उपयोग करने वाले 11 अन्य वाहनों पर भी कार्रवाई की गई। सड़कों को नुकसान पहुँचाने वाले पांच ओवरलोड वाहन के खिलाफ कार्रवाई की गई। एआरटीओ राजेश राजपूत ने बताया कि कार्रवाई के दौरान पांच भारी वाहनों को ओवरलोड पाया गया जिन्हें तत्काल प्रभाव से थाना सुरीर और थाना मांट में निरुद्ध (सीज) कर दिया गया है।

परिवहन विभाग ने स्कूली बच्चों की सुरक्षा को लेकर कड़ा रुख अपनाया है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि बिना वैध परमिट और अनफिट स्कूली बसों को सड़क पर पाए जाने पर सीधे जब्ती की कार्रवाई होगी। अभिभावक अपने बच्चों को जर्जर वैन या बसों में न भेजें और वाहन की फिटनेस खुद भी चेक करें। नियम तोड़ने पर 10 हजार रुपये का भारी जुर्माना और पंजीकरण निरस्तीकरण की प्रक्रिया अपनाई जाएगी।

अभियान में एआरटीओ सत्येन्द्र कुमार सिंह, यात्रीकर अधिकारी संदीप चौधरी और पूजा सिंह आदि शामिल थे।

सस्पेंस खत्म होते ही मथुरा के लोग हुए मायूस

यूनिक समय, मथुरा। यूपी की योगी सरकार के मंत्रिमंडल के दूसरे विस्तार में शामिल नेताओं का नाम सामने आते ही सस्पेंस खत्म हो गया। लखनऊ से जारी सूची में आठ लोगों के नाम सामने आए। इसमें मथुरा के विधायक श्रीकांत शर्मा का नाम नहीं आया। वैसे मंत्रिमंडल विस्तार में में जातीय और सामाजिक समीकरण को ध्यान में रखते हुए वर्ष 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारियां की गई है।

इस मंत्रिमंडल विस्तार में मथुरा से विधायक श्रीकांत शर्मा के नाम की चर्चा पिछले कई दिनों से चल रही थी।

समर्थकों को भी काफी उम्मीद थी, लेकिन रविवार को दोपहर के समय मंत्रिमंडल में शामिल होने वाले विधायकों की सूची जारी होने के बाद श्रीकांत शर्मा के समर्थकों में काफी मायूसी दिखाई दी। पहले यह माना जा रहा था कि पश्चिमी उप्र से मथुरा को महत्व मिल सकता था।

राजनीतिक गलियारों से आई खबरों में यह बात सामने आई थी कि दिल्ली और लखनऊ में हुई बैठकों के दौरान श्रीकांत शर्मा के नाम पर चर्चा तो हुई थी, लेकिन आखिरी समय में पूर्वी क्षेत्र के विधायक मनोज पांडेय भारी पड़े और वह मंत्रिमंडल में जगह पा गए।

श्रीकांत शर्मा के मंत्रिमंडल में शामिल होने की खूब चर्चा थी

मथुरा के पुल प्रोजेक्ट को मिली नई रफ्तार

मथुरा के सेतु प्रोजेक्ट को नई फंडिंग सरकार ने जारी किए 50 लाख

कोसी–शाहपुर–चौडरस मार्ग स्थित आगरा नहर पुल का होगा पुनर्निर्माण

2.46 करोड़ की परियोजना में अब तक 1.38 करोड़ का आवंटन

सिटी रिपोर्टर

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा की महत्वपूर्ण सड़क और पुल कनेक्टिविटी को मजबूत करने की दिशा में राज्य सरकार ने एक और बड़ा कदम उठाया है। नाबार्ड पोषित आरआईडीएफ योजना के तहत जनपद मथुरा में कोसी–शाहपुर–चौडरस मार्ग पर स्थित आगरा नहर के लघु सेतु के पुनर्निर्माण कार्य के लिए 50.01 लाख रुपये की अतिरिक्त धनराशि जारी की गई है। यह राशि वित्तीय वर्ष 2026–27 में अवशेष कार्यों को गति देने के उद्देश्य से जारी की गई है।संयुक्त सचिव सोमनाथ ने लोक निर्माण विभाग को जारी निर्देशों के अनुसार यह परियोजना कोसी–शाहपुर–चौडरस मार्ग (अ.जि.मा.) के किलोमीटर–1, चैनेज 0.480 पर स्थित आगरा नहर पर बने लघु सेतु के पुनर्निर्माण से जुड़ी है। परियोजना की कुल स्वीकृत लागत 2.49 करोड़ रुपये निर्धारित की गई थी, जिसमें तकनीकी लागत के बाद 2.46 करोड़ रुपये का कार्य स्वीकृत माना गया। अब तक इस परियोजना में 1.38 करोड़ रुपये आवंटित किए जा चुके हैं, जबकि 1.07 करोड़ रुपये की अवशेष धनराशि दर्शाई गई थी। वर्तमान चरण में सरकार ने अनुदान संख्या–57 से 39.40 लाख और अनुदान संख्या–83 से 10.61 लाख रुपये जारी करते हुए कुल 50.01 लाख रुपये की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की है। आगरा नहर पर स्थित यह मार्ग क्षेत्रीय आवागमन, कृषि परिवहन और स्थानीय व्यापारिक गतिविधियों के लिए अहम कड़ी माना जाता है। लंबे समय से क्षतिग्रस्त और कमजोर संरचना के कारण यहां आवागमन प्रभावित होने की शिकायतें सामने आती रही हैं। ऐसे में अतिरिक्त बजट जारी होने से निर्माण कार्य में तेजी और यातायात सुरक्षा में सुधार की उम्मीद बढ़ी है, जिससे कोसी क्षेत्र की ग्रामीण और स्थानीय यातायात संरचना को मजबूत करने की रणनीतिक पहल मानी जा रही है।

तापमान / मौसम

37 डिग्री सेल्सियस अधिकतम

24 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम

सोना–चांदी भाव

सोना

24 कैरेट 1,54,920

22 कैरेट 1,42,926

(रेट प्रति 10 ग्राम में, जीएसटी समेत)

चांदी

2,61,800 प्रति किलो

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।

कार्यालय:- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।

संपादक-पवन गौतम

फोन नंबर-0565-2420150,

मो. 9837155888

E-mail : uniquesamaynews@gmail.com

website : uniquesamay.com

RNI-UPHIN/2023/85053

DAVP-: 134220

डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

रेडीमेड कपड़ों की दुकान में लगी भीषण आग

दुकान में रखी बैट्री के फटने से हुआ तेज धमाका

यूनिक समय, मथुरा। बल्देव कस्बा स्थित रीढ़ा बाजार में बीती रात एक रेडीमेड कपड़ों की दुकान में लगी आग से लाखों रुपये का सामान जलकर राख हो गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि आग लगने के दौरान तेज धमाका भी हुआ था। अग की भीषणता को देखते हुए कोई दुकान की शटर तक खोलने की हिम्मत नहीं कर सका। घटना की सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड की दमकल ने जेसीबी से शटर को तोड़ कर आग को काबू किया।

बल्देव कस्बा के रीढ़ा बाजार में योगेश चौधरी की रेडीमेड कपड़ों की दुकान है। दुकान किराए पर है। योगेश रात्रि में करीब नौ बजे दुकान बंद करने के बाद अपने घर को चले गए थे। बताया गया है कि करीब एक घंटे के बाद उन्हें किसी ने फोन कर बताया कि दुकान में भीषण आग लगी हुई है। दुकान में लगी आग की खबर मिलते ही वह तुरंत घर से दुकान पर पहुंचे। उस समय तक आस–पास के लोगों की काफी भीड़ दुकान पर जमा थी।

दुकान के शटर को खोलने का प्रयास किया तो अंदर लगी भीषण आग की तपिश के कारण शटर इतनी गर्म थी कि वहां खड़ा होना भी मुश्किल हो रहा था। फायर ब्रिगेड को भी दुकान में लगी आग की सूचना दी गई।

मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड ने जेसीबी से दुकान के शटर को तुड़वा कर आग को बुझाने का प्रयास किया। दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद ही फायर ब्रिगेड के कर्मचारी आग पर काबू पा सके। स्थानीय लोगों ने बताया कि

इलाके में मचा रहा हड़कंप

दुकान में 20 लाख रुपये का सामान जला

दुकान के अंदर तेज विस्फोट की आवाज आई थी दुकान में देखने पर पता लगा की वहां बैट्री के टुकड़े पड़े हुए थे। इस बात से अंदाजा लगाया जा रहा है कि दुकान में रखी बैट्री के फटने से आग लग गई। दुकानदार योगेश चौधरी का कहना है कि दुकान में आग से करीब 20 लाख रुपये के रेडीमेड कपड़ों के अलावा अन्य सामान जल गया है। दुकान में लगी आग से उसके सामने अब दोबारा दुकान चालू करने में भारी दिक्कत का सामना करना पड़ेगा।

भांजे की हत्या के मामले में पुलिस मामा को कर रही तलाश

यूनिक समय, मथुरा। थाना बल्देव क्षेत्र स्थित कोल्ड स्टोर के समीप मिट्टी के ढेर में मिले युवक के शव के बाद पुलिस उसकी हत्या के शक के आधार पर उसके मामा-मामी को तलाश कर रही है। काफी प्रयास के बाद भी पुलिस को अभी उनका कुछ पता नहीं लग सका है। गौरतलब है कि कल अवैरनी के एक कोल्ड स्टोर के समीप से मिट्टी में एक युवक का हाथ दिखाई देने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने मिट्टी में दबा युवक का शव निकाल कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा था। युवक की शिनाख्त गांव लहारा थाना सुंदरपुर जिला भिंड के रहने वाले गोविंद के रूप में हुई। वह अपने मामा

काफी प्रयास के बाद भी पुलिस को नहीं मिली कामयाबी

जयकरन के पास अवैरनी में रह रहा था। अवेरनी चौराहे पर वह पानी पूरी की ठेल लगाता था। युवक की हत्या के पीछे अवैध संबंधों की आशंका है। किराए के मकान में रहने वाले मामा-मामी किराए के मकान को ताला लगा कर भाग गए हैं। पुलिस दोनों की गिरफ्तारी के लिए प्रयास कर रही है। पुलिस को अभी तक भागे लोगों के बारे में कोई खास जानकारी नहीं लग सकी है।

निर्माणाधीन बिल्डिंगों में चोरी करने वाले गैंग से मुठभेड़

यूनिक समय, मथुरा। निर्माणाधीन बिल्डिंगो में प्रयोग होने वाले बिजली वायरिंग के तार चोरी करने वाले गैंग से बीती देर रात जैंत थाना पुलिस की मुठभेड़ हो गई। पुलिस की गोली लगने से एक बदमाश घायल हो गया। पुलिस ने घायल सहित तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने एक स्विफ्ट कार और तमंचा भी बरामद की हैं।

थाना जैंत इलाके में निर्माणाधीन बिल्डिंगों से बिजली के तार चोरी करने के मामले में बदमाश दो बार वारदात कर चुके थे। इस मामले में थाने पर चोरी का मुकदमा भी दर्ज है। पुलिस इस गैंग को तलाश कर रही थी। सर्विलांस टीम भी इस पर काम कर रही थी। बताया गया है कि जैंत थाना पुलिस की टीम रात को इलाके में गश्त कर रही थी। इसी बीच पुलिस को सूचना मिली कि निर्माणाधीन बिल्डिंगों से तार चोरी करने वाला गैंग किसी वारदात को अंजाम देने के लिए इलाके में आया हुआ है।

मुठभेड़ में गोली लगने से घायल हुए बदमाश को ले जाती पुलिस।

इस सूचना पर पुलिस ने गैंग की घेराबंदी की। पुलिस की रिवार्डिड टीम भी इस सूचना पर पुलिस के साथ आ गई। पुलिस टीम ने आगरा–दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग की सर्विस रोड पर प्रकाश ढाबा के बराबर इंडस्ट्रीज क्षेत्र की निर्माणाधीन बिल्डिंग के पास

पुलिस की गोली लगने से एक बदमाश घायल, तीन गिरफ्तार

चोरी के तार के 10 बंडल और स्विफ्ट कार, तमंचे बरामद

घेराबंदी की। कुछ ही देर में वहां एक स्विफ्ट कार आती दिखाई दी। पुलिस ने गाड़ी को रोकने का प्रयास किया। पुलिस को देख कर कार सवारों ने फायरिंग कर दी। पुलिस ने भी जवाबी फार्यरग की। पुलिस द्वारा चलाई गई गोली एक बदमाश के पैर में लगी और वह घायल हो गया।

पुलिस ने मौके से घायल बदमाश हरवीर व उसके साथी गोपाल निवासी ग्राम सिलावट थाना राजाखेड़ा जिला धौलपुर राजस्थान और सुग्रीव निवासी

गैंग एनसीआर, नोएडा में कर चुका है वारदात

यूनिक समय, मथुरा। थाना प्रभारी जैंत सोनू कुमार ने बताया कि गैंग ने डेढ़ माह के अंदर निर्माणाधीन बिल्डिंगों में दो बार चोरी की वारदात की थीं। इसके साथ ही गैंग द्वारा नोएडा और एनसीआर आदि इलाकों में चोरी की वारदात की हैं। आज भी गैंग इस इलाके में चोरी करने के लिए अया था।

गढ़ी रीलपुर थाना राजाखेड़ जिला धौलपुर राजस्थान को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने घायल हरवीर को इलाज के लिए अस्पताल भेज दिया। पुलिस मौके से एक स्विफ्ट डिजायर कार के अलावा तीन तमंचे कारतूसों के अलावा 10 बंडल चोरी किए गए तार और 7300 रुपये की नकदी भी बरामद हुई है।

राधाबल्लभ मंदिर में महिला के गले से मंगलसूत्र खींचा

यूनिक समय, वृंदावन। ठाकुर राधाबल्लभ मंदिर क्षेत्र में दर्शन करने आई हैदराबाद की एक बुजुर्ग महिला श्रद्धालु के गले से मंगलसूत्र खींचने का मामला प्रकाश में आया है। आठ वर्षीय किशन चौधरी ने कोतवाली में पुलिस को बताया कि उसकी नानी के गले से मंगलसूत्र खींचा था। उसके अनुसार मौके पर दो संदिग्ध महिलाएं थीं, जिनके हाथ में पीली धातु (सोने जैसी) की चेन भी देखी गई। बालक ने बताया कि जब एक महिला को पकड़ने का प्रयास किया गया तो उसने एक दूसरी चेन देते हुए कहा–"यह रख लो", जबकि वह चेन पीड़ित परिवार की नहीं थी। श्रद्धालुओं ने उसे लेने से इनकार कर दिया। पीड़ित पक्ष पुलिस चौकी पहुंचा, जहां से उन्हें

धेवते की शिकायत पर पुलिस ने गंभीरता दिखाई

कोतवाली भेजा गया। कोतवाली में किशन चौधरी ने प्रभारी निरीक्षक संजय पांडेय के सामने अंग्रेजी भाषा में मासूमियत से अपनी शिकायत रखी। बालक की मासूमियत और स्पष्ट बयान से कोतवाली प्रभारी भावुक हो गए। मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल पुलिस टीम गठित कर जांच शुरू कर दी गई है। आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं और संदिग्ध महिलाओं की पहचान कर जल्द गिरफ्तारी के निर्देश दिए गए हैं। पुलिस ने श्रद्धालुओं को आश्वस्त किया है कि कार्रवाई जारी है।

पारिवारिक विवाद में संपत्ति पर कब्जे का आरोप

यूनिक समय, वृंदावन। गौरानगर क्षेत्र में एक मकान को लेकर चल रहा पारिवारिक विवाद पुलिस तक पहुंच गया है। एक पक्ष ने पुलिस को दी गई शिकायत में आरोप लगाया है कि उससे लाखों रुपये की मांग कर दबाव बनाया जा रहा है और संपत्ति पर कब्जा करने की कोशिश की जा रही है।

शिकायतकर्ता गौरानगर निवासी योगेंद्र गोस्वामी के अनुसार वह पिछले कई वर्षों से संबंधित मकान में रह रहा है। उसी के पास इसका वास्तविक कब्जा है। उसका कहना है कि हाल ही में कुछ लोग उसके घर पहुंचे और पहले बड़ी रकम की मांग की। बाद में रकम बढ़ाकर 25 लाख कर दी गई। रकम न देने पर कथित रूप से मकान से बेदखल करने और नुकसान पहुंचाने की धमकी दी गई। शिकायत में यह भी कहा गया है कि उसके खिलाफ ताला तोड़कर कब्जा करने का आरोप लगाया गया, जबकि वह लंबे समय से वहीं रह रहा है। इस मामले में पुलिस स्तर पर प्रारंभिक

रजिस्ट्री को लेकर उठे सवाल, पुलिस ने जांच शुरू की

जांच के दौरान कथित घटना की पुष्टि नहीं होने की बात सामने आई है। मामले का एक अहम पहलू वर्ष 2018 की एक रजिस्ट्री को लेकर भी सामने आया है। शिकायतकर्ता का दावा है कि जिस संपत्ति को रजिस्ट्री में प्लाट बताकर बेचा गया है, मौके पर वहां पुराना निर्मित मकान मौजूद है और उसका मालिकाना हक से लेकर निर्विघ्न कब्जा पीड़ित का है। इसी आधार पर रजिस्ट्री की वैधता और तथ्यों को लेकर सवाल उठाए गए हैं। शिकायतकर्ता का आरोप है कि दस्तावेजों में वास्तविक स्थिति छुपाकर रजिस्ट्री कराई गई और अब उसी के आधार पर दबाव बनाया जा रहा है। मामले में बैनामा से जुड़े पक्षों की भूमिका पर भी सवाल खड़े किए गए हैं। कोतवाली प्रभारी संजय पांडेय का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

टैंटीगांव डकैती के दो और अभियुक्त गिरफ्तार

खैर कस्बा के एक मकान में छिपे थे बदमाश

बदमाशों से जेवर और तमंचा आदि बरामद

यूनिक समय, मथुरा। टैंटीटगांव में हुई डकैती की वारदात में शामिल दो और बदमाशों को पुलिस ने खैर कस्बा के एक मकान पर दबिश देकर गिरफ्तार कर उनके कब्जे से लूट के आभूषण आदि सामान बरामद किया है।

थाना सुरीर के टैंटीगांव में 23 व 24 अप्रैल की रात को लुटेरों ने एक मकान पर धावा बोल परिवार के लोगों को बंधक बनाकर लाखों रुपये की लूट की थी और माल के बारे में जानकारी करने के लिए बुजर्ग को उल्टा लटका दिया था। पुलिस ने इस सनसनीखेज वारदात को अंजाम देने वाले दो शातिर बाबरिया गैंग के धर्मवीर उर्फ लम्बू और पप्पू उर्फ राजेंद्र को पुलिस ने मुठभेड़ ढेर कर दिया था। इसके बाद से पुलिस गैंग के अन्य सदस्यों के बारे में जानकारी जुटा रही थी। पुलिस को गैंग के दो सदस्यों के बारे में सूचना मिली कि बदमाश खैर कस्बा के शत्रु सिंह के मकान पर छिपे हैं। इस जानकारी पर पुलिस टीम ने रात्रि को खैर में उस मकान पर छापेमारी कर लुटेरे सुभाष निवासी संग्रामपुर रोड खैर अलीगढ़ व नरेश निवासी रायपुर बांगर नौहझील को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस ने इनके कब्जे से एक जोड़ी पाजेब सफेद धातु, सिगरेट की एक डिब्बी, 12500 एक तमंचा-कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस घटना में शामिल अन्य बदमाशों की तलाश में दबिश दे रही है।

मदर्स डे पर किया महिलाओं का सम्मान

वृंदावन सेवा संस्थान के बैनर तले गोपाल वाटिका में मदर्स डे पर आयोजित कार्यक्रम में सम्मानित महिलाएं।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। वृंदावन सेवा संस्थान के बैनर तले मदर्स डे मनाया। कार्यक्रम में सविता शर्मा, निधि मिश्रा, ज्योति रोहिला, मीनाक्षी, सीमा, रजनी, राधा, कीर्ति, काजल, जानकी, दीपा, तनु, भावना,ललिता, प्रिया, शिवानी, रूबी तथा विनीता आदि का सम्मान किया गया । मुख्य अतिथि हनुमान प्रसाद धानुका स्कूल की प्रधानाचार्य रजनी गुप्ता एवं विशिष्ट अतिथि डॉ. श्रुति अग्रवाल ने कहा कि मां भगवान का ही रूप है। बच्चों के सर्वांगीण विकास में माँ की बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका है। संस्थान अध्यक्ष लक्ष्मण सर्राफ ने देश के विकास में योगदान के लिए माताओं का आह्वान किया। संचालन विश्वनाथ गुप्ता ने किया।

सांसद हेमामालिनी मथुरा में, कई कार्यक्रमों में होंगी शामिल

यूनिक समय, मथुरा। सांसद हेमामालिनी रविवार देर शाम को मथुरा आ गईं। वह आगामी दिनों में जनपद में आयोजित विविध कार्यक्रमों में सहभागिता करेंगी और विकास कार्यों का लोकार्पण करेंगी। सांसद हेमामालिनी के कार्यालय की ओर से जारी जानकारी के अनुसार, सोमवार को सांसद मथुरा में मौजूद रहेंगी। अगले दिन 12 मई को बल्देव स्थित अग्रवाल सेवा सदन में आयोजित कार्यक्रम में बल्देव नगर पंचायत के विकास कार्यों का लोकार्पण और शुभारंभ करेंगी। सांसद 13 मई को दोपहर 12 बजे भक्ति वेदांत हास्पिटल बरसाना में सीएसआर के अंतर्गत आईओसीएल द्वारा किए गए कार्यों का लोकार्पण करेंगी। 14 मई को सांसद दोपहर 12 बजे एसचडीएफसी बैंक द्वारा गोवर्धन परिक्रमा मार्ग में एमवीडीएम के लिए 500 सोलर लाइट की स्थापना कार्य का लोकार्पण करने के बाद नगर निगम मथुरा वृंदावन के लिए मेरो मथुरा ऐप लॉन्चिंग कार्यक्रम में शामिल होंगी, जबकि 15 मई को नगर निगम के वार्ड 38 स्थित पुष्पा धाम कालोनी दामोदरपुरा में आवास विकास परिषद द्वारा स्वीकृत एक किमी. सीसी मार्ग का उद्घाटन करेंगी। 16 मई को सांसद छाता स्थित संस्कृति यूनिवर्सिटी में दोपहर 12 बजे आयोजित पं. दीनदयाल उपाध्याय जिला प्रशिक्षण महा अभियान 2026 का शुभारंभ करेंगी, जबकि 17 मई को शाम छह बजे वृंदावन स्थित गीता शोध संस्थान में आयोजित कार्यक्रम में कृष्ण भक्ति पद पुस्तक का विमोचन समारोह में सहभागिता करेंगी।

सांसद हेमामालिनी 18 मई को सुबह 11 बजे कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित दिशा की बैठक में शामिल होंगी, जबकि 20 मई को वृंदावन में आयोजित भिक्षा मुक्त मथुरा कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर सहभागिता करेंगी।

धूमधाम से मनाया गया मातृ दिवस समारोह

यूनिक समय, गोवर्धन। राजकीय कन्या इंटर कॉलेज, अड़ींग में रविवार को मातृ दिवस समारोह हर्षोल्लास एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में छात्राओं ने रंगारंग प्रस्तुतियां देकर मां के प्रति अपने प्रेम, सम्मान और भावनाओं को अभिव्यक्त किया। समारोह के दौरान इसी शैक्षिक सत्र की हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट परीक्षा में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली मेधावी छात्राओं की माताओं को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों में मां की महिमा पर आधारित गीत, नृत्य एवं अन्य मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम में शुचि खंडेलवाल, आयुषी सिंघल, गीता, वर्षा, रेनू एवं खुशबू शर्मा,अंजूलता शुक्ला,मीना आदि मौजूद रही।

राधा रास बिहारी जी का भव्य नौका विहार सम्पन्न

वैदिक मंत्रों और शंखध्वनि से गूंजा बल्देव

सैकड़ों भक्तों ने झांकी दर्शन कर पाया आशीर्वाद

यूनिक समय, बल्देव। श्री राधा रानी संकीर्तन मंडल एवं अग्रवाल समाज संगठन के तत्वावधान में अग्रवाल रिसॉर्ट के तरणताल में श्री राधा रास बिहारी जी का भव्य नौका विहार उत्सव आयोजित हुआ। कार्यक्रम में ठाकुर जी के युगल स्वरूप को नौका रूपी कुंज महल में विराजमान कर वैदिक मंत्रोच्चार और शंखध्वनि के बीच नौका विहार कराया गया।

उत्सव का शुभारंभ प्रहलाद प्रभु जी, उमेश अग्रवाल, बांकेलाल गोयल, मुकेश अग्रवाल एवं सचिन अग्रवाल ने दीप प्रज्वलित कर किया। करुणा गोयल, माधवदास अग्रवाल, संध्या गोयल, परी सोनी, प्रज्ञा शर्मा और लक्ष्य बंसल ने पद गायन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में दिल्ली, आगरा, मथुरा और राया सहित विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर ठाकुर जी की मनोहारी झांकी के दर्शन किए। आयोजन का संयोजन एवं संचालन संजीव अग्रवाल ने किया।

आरएसएस शताब्दी वर्ष में 'संघ सरिता के अमर मोती' पुस्तक का विमोचन

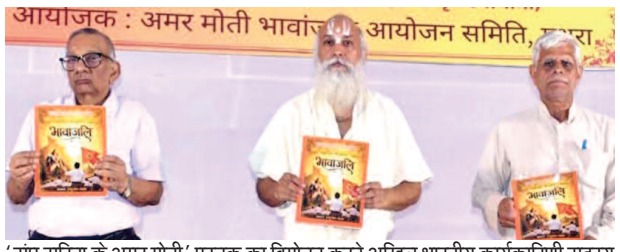

'संघ सरिता के अमर मोती' पुस्तक का विमोचन करते अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य डॉ. दिनेश जी तथा नाभा पीठाधीश्वर सुतीक्ष्ण दास महाराज आदि।

यूनिक समय, मथुरा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष कार्यक्रमों की श्रृंखला में चित्रकूट स्थल पर शनिवार शाम विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें शहर के 75 दिवंगत स्वयंसेवकों के जीवन और योगदान पर आधारित 'संघ सरिता के अमर मोती' पुस्तक का विमोचन किया गया। पुस्तक के संकलनकर्ता एवं संघ के भाग कार्यवाह अजय सर्राफ ने बताया कि इस संकलन कार्य की शुरुआत कोरोना काल में हुई थी, जो अब संघ के शताब्दी वर्ष में पुस्तक के रूप में सामने आई है। पुस्तक में 1940 से मथुरा में संघ कार्य की शुरुआत और पुराने स्वयंसेवकों के योगदान का उल्लेख किया गया है। मुख्य वक्ता अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य डॉ. दिनेश ने कहा कि संघ की कार्यपद्धति प्रसिद्धि से दूर रहकर राष्ट्र सेवा का संदेश देता है। नाभा पीठाधीश्वर सुतीक्ष्ण दास महाराज ने स्वयंसेवकों को भगवान श्रीकृष्ण की माला के "अमर मोती" बताते हुए उनके योगदान को प्रेरणादायी बताया।

कार्यक्रम में प्रांत कार्यवाह राजकुमार एडवोकेट, वरिष्ठ स्वयंसेवक विनय किशोर, विद्या भारती के अखिल भारतीय मंत्री शिव प्रसाद, भरतपुर के विभाग संघ चालक भगीरथ, डॉ. रोशनलाल, राज्यसभा सांसद तेजवीर सिंह, विधायक पूरन प्रकाश, विश्व हिंदू परिषद के राष्ट्रीय संगठन मंत्री अशोक, प्रांत प्रचारक धर्मेंद्र, सह प्रांत प्रचारक विनोद, महानगर प्रचारक सचिन तथा कन्हैयालाल अग्रवाल आदि उपस्थित थे। दिवंगत स्वयंसेवकों के परिवारों को मंच पर सम्मानित किया। संचालन प्रदीप श्रीवास्तव ने किया।

न्याय के प्रति समर्पण का सम्मान

वरिष्ठ अधिवक्ता रमेश कुमार शर्मा सम्मानित

वरिष्ठ अधिवक्ता रमेश चंद्र शर्मा को सम्मानित करते हुए जिला जज विकास कुमार। साथ हैं वरिष्ठ अधिवक्ता नंदकिशोर उपमन्यु।

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा की विधिक दुनिया के लिए शनिवार का दिन गौरव और सम्मान से भरा रहा। सिविल लॉयर्स फोरम मथुरा द्वारा दीवानी के वरिष्ठ अधिवक्ता रमेश कुमार शर्मा को उनके उत्कृष्ट विधिक ज्ञान, न्याय के प्रति समर्पण और समाज सेवा में दिए गए महत्वपूर्ण योगदान के लिए भव्य सम्मान समारोह में सम्मानित किया गया। स्थानीय होटल में आयोजित इस सम्मान समारोह के मुख्य अतिथि जिला जज विकास कुमार ने वरिष्ठ अधिवक्ता रमेश कुमार शर्मा को शॉल ओढ़ाकर और सम्मान पत्र भेंट कर सम्मानित किया। इस दौरान जिला जज ने कहा कि न्याय व्यवस्था को मजबूत बनाने में अनुभवी अधिवक्ताओं की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने कहा कि श्री शर्मा ने अपने लंबे विधिक अनुभव, ईमानदार कार्यशैली और समाज के प्रति समर्पण से अधिवक्ता समाज को नई दिशा देने का कार्य किया है। वक्ताओं ने कहा कि आज के समय में जब समाज तेजी से बदल रहा है, ऐसे में अनुभवी अधिवक्ताओं का मार्गदर्शन युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत बनता है। सम्मान प्राप्त करने के बाद वरिष्ठ अधिवक्ता रमेश कुमार शर्मा ने अधिकारियों और अधिवक्ता साथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान उनके लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि अधिवक्ता का दायित्व केवल मुकदमे लड़ना नहीं, बल्कि समाज में न्याय और कानून के प्रति विश्वास बनाए रखना भी है। इस मौके पर अतिरिक्त जिला जज अजय पाल सिंह, राजेश पाराशर,अरविंद कुमार यादव, ब्रजेश कुमार, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट नितिन कुमार तथा सिविल जज सीनियर डिवीजन अनुपम दीक्षित सहित कई न्यायिक अधिकारी एवं सिविल लॉयर्स फोरम के सदस्य, वरिष्ठ अधिवक्ता राजेंद्र किशोरिया,विक्रम सिंह एडवोकेट आदि मौजूद रहे।

सिविल लॉयर्स फोरम के कार्यक्रम में जिला जज ने ओढ़ाई शॉल

न्यायिक अधिकारियों और अधिवक्ताओं की मौजूदगी में मिला सम्मान

बकरी पालन योजना से रोजगार और पोषण को सहारा

विधवा महिला और भूमिहीन परिवारों पर फोकस

सिटी रिपोर्टर

यूनिक समय, मथुरा। ग्रामीण परिवारों की आय बढ़ाने, महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और कुपोषण से लड़ाई को मजबूत करने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश सरकार ने बकरी पालन योजना की नई गाइडलाइन जारी कर दी है। योजना के तहत प्रदेश के सभी 75 जिलों में बकरी पालन इकाइयों की स्थापना की जाएगी, जिसमें मथुरा का केंद्रीय बकरी अनुसंधान संस्थान भी महत्वपूर्ण भूमिका में दिखाई दे रहा है। खास बात यह है कि फरह, मथुरा स्थित केंद्रीय बकरी अनुसंधान संस्थान या इटावा के प्रशिक्षण केंद्र से प्रशिक्षण प्राप्त आवेदकों को चयन में प्राथमिकता दी जाएगी। विशेष सचिव देवेन्द्र कुमार पाण्डेय ने जिला अधिकारी सीपी सिंह और निदेशक प्रशासन एवं विकास, पशुपालन विभाग को दिशा–निर्देश जारी करते हुए बकरी पालन की योजना के संचालन के लिए कहा है कि प्रत्येक लाभार्थी को एक यूनिट में 1 नर और 5 मादा बकरी उपलब्ध कराई जाएंगी। प्रति यूनिट लागत 60 हजार रुपये तय की गई है, जिसमें 54 हजार रुपये सरकार देगी जबकि छह हजार रुपये लाभार्थी अंश के रूप में जमा करने होंगे। योजना के तहत एक नर बकरे की कीमत 10 हजार रुपये और पांच मादा बकरियों की कुल कीमत 45 हजार रुपये निर्धारित की गई है। इसके अलावा बीमा, दवा और परिवहन के लिए भी अलग बजट तय किया गया है। योजना में भूमिहीन मजदूर, सीमांत किसान, विधवा, निराश्रित महिलाएं और बेरोजगार परिवारों को प्राथमिकता देने की बात कही गई है। चयन प्रक्रिया में तीन प्रतिशत दिव्यांगों को भी शामिल किया जाएगा। जिला स्तर पर मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में समिति लाभार्थियों का चयन करेगी, जबकि ग्राम स्तर पर पशु चिकित्सा अधिकारियों और ग्राम प्रधान की भूमिका तय की गई है।

माइक्रो लाइवस्टॉक मॉडल

यूनिक समय, मथुरा। यह योजना सिर्फ पशुपालन तक सीमित नहीं बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था में "माइक्रो लाइवस्टॉक मॉडल" तैयार करने की रणनीति मानी जा रही है। न्यूनतम निवेश और कम जोखिम वाले बकरी पालन को सरकार अब रोजगार, पोषण और महिला सशक्तिकरण से जोड़कर देख रही है। मथुरा जैसे जिलों के लिए यह योजना इसलिए भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है क्योंकि यहां पहले से बकरी अनुसंधान और प्रशिक्षण का मजबूत आधार मौजूद है। इससे प्रशिक्षित युवाओं, स्वयं सहायता समूहों और ग्रामीण महिलाओं के लिए नए आर्थिक अवसर खुल सकते हैं।

तीन वर्ष तक इकाई संचालित करनी होगी

यूनिक समय, मथुरा। इस योजना के तहत प्रत्येक लाभार्थी को कम से कम तीन वर्ष तक इकाई संचालित करनी होगी। पशुओं का बीमा, टीकाकरण, दवा और नियमित निगरानी भी अनिवार्य की गई है ताकि योजना केवल कागजों तक सीमित न रहकर स्थायी आय का माध्यम बन सके।

अंतरराष्ट्रीय मंचों पर जीएलए के छात्रों का शोध प्रस्तुत

यूनिक समय, मथुरा। जीएलए विश्वविद्यालय मथुरा के छात्रों ने एक बार फिर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपनी शैक्षणिक क्षमता का प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया है। इंस्टिट्यूट ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट के बीबीए (मैनेजमेंट साइंस) द्वितीय वर्ष के छात्र हर्ष अग्रवाल और एमबीए के छात्र तरुण भार्गव ने अलग-अलग प्रतिष्ठित कॉन्फ्रेंस में अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए।

हर्ष अग्रवाल ने भारतीय प्रबंधन संस्थान बोध गया में आयोजित द्वितीय अंतरराष्ट्रीय मार्केटिंग कॉन्फ्रेंस (आईसीएम 2.0) में अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया। उनके शोध का शीर्षक "फ्रॉम स्टैटिक पर्सनलाइजेशन टू अडाप्टिव डायलॉग द रोल ऑफ एलएलएम-पावर्ड जनरेटिव एआई इन मार्केटिंग कम्युनिकेशन" रहा। इस शोध में आधुनिक विपणन संचार में एलएलएम आधारित जनरेटिव एआई की भूमिका और प्रभावों का विश्लेषण किया गया।

आईआईएम बोधगया और एमआईटी पुणे में जीएलए छात्रों का शोध प्रस्तुत, एआई और जीएसटी पर रखा प्रभावशाली दृष्टिकोण

अध्ययन में यह बताया गया कि पारंपरिक स्टैटिक पर्सनलाइजेशन अब विकसित होकर अडाप्टिव डायलॉग और रियल-टाइम कम्युनिकेशन में बदल रहा है, जिससे उपभोक्ताओं के साथ अधिक प्रभावी और संवादात्मक जुड़ाव संभव हो रहा है।

यह शोध एक कॉन्सेप्चुअल स्टडी के रूप में प्रस्तुत किया गया, जिसमें संरचित फ्रेमवर्क, मॉडल और पाँच प्रमुख प्रपोजिशन्स के माध्यम से एआई-आधारित मार्केटिंग के प्रभाव जैसे उपभोक्ता एक्सपीरियंस, एंगेजमेंट, पर्चेज इंटेंट और ब्रांड लॉयल्टीकृका विश्लेषण किया गया। साथ ही ट्रस्ट और एथिकल बाउंड्रीज जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं को भी शामिल किया गया।

वहीं जीएलए विश्वविद्यालय के एमबीए छात्र तरुण भार्गव ने एमआईटी वर्ल्ड पीस यूनिवर्सिटी, पुणे में आयोजित नेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन जीएसटी रिफॉर्म्स में अपना शोध पत्र "असेसिंग द इम्पैक्ट ऑफ गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स (जीएसटी) ऑन द ऑफलाइन रिटेल सेक्टर इन इंडिया" प्रस्तुत किया। उनके शोध में जीएसटी लागू होने के बाद ऑफलाइन रिटेल सेक्टर पर पड़े प्रभावों का विश्लेषण किया गया।

अध्ययन में टैक्स कंप्लायंस, ऑपरेशनल परफॉर्मेंस और मार्केट कंपटीशन जैसे प्रमुख पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। शोध में यह उजागर किया गया कि जीएसटी के बाद पारंपरिक रिटेल व्यवसायों के सामने जहां नई चुनौतियां आई हैं, वहीं कई अवसर भी उत्पन्न हुए हैं, जिनसे उनके कार्य करने के तरीके में बदलाव आया है।

दोनों शोध कार्य इंस्टिट्यूट ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. प्रीति तरकर के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुए। उनके सतत मार्गदर्शन ने छात्रों को शोध के विभिन्न चरणों में दिशा प्रदान की और उन्हें राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सफल प्रस्तुति के लिए तैयार किया।

विभाग के निदेशक प्रो. अनुराग सिंह ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह सफलता छात्रों की मेहनत और विभाग में उपलब्ध शोध-उन्मुख वातावरण का परिणाम है। हम विद्यार्थियों को शुरुआत से ही रिसर्च और इनोवेशन के लिए प्रेरित करते हैं, ताकि वे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपनी प्रतिभा प्रदर्शित कर सकें।

विभागाध्यक्ष डॉ. उत्कल खंडेलवाल एवं एसोसिएट विभागाध्यक्ष डॉ. कृष्णवीर सिंह ने कहा कि हम छात्रों को शुरुआत से ही रिसर्च-ओरिएंटेड लर्निंग के लिए प्रेरित करते हैं, जिससे वे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपनी पहचान बना सकें। ऐसी उपलब्धियां विभाग की शैक्षणिक गुणवत्ता और छात्रों की मेहनत को दर्शाती हैं। असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. प्रीति तरकर ने दोनों शोध पत्रों में को-ऑथर की भूमिका निभाई, ने कहा कि वर्तमान समय में शोध केवल अकादमिक गतिविधि नहीं, बल्कि वास्तविक समस्याओं के समाधान का प्रभावी माध्यम बन चुका है।

नाम बदला, लेकिन ट्रेनों की संख्या हो गई कम

फरह हाल्ट का नाम हुआ दीनदयाल धाम, दो ट्रेन हो गई कम

गोमती एक्सप्रेस, एक ईएमयू के सहारे हैं कस्बा और दर्जनों गांव

कस्बा के समीप बना दीनदयाल धाम रेलवे स्टेशन, जिसका नाम पूर्व में फरह टाउन था। दूसरे चित्र में स्टेशन के टिकट घर कमरे के बाहर बना बरामदा, जिसके टाइल्स टूट गए हैं।

यूनिक समय, फरह। कस्बा से चंद कदम की दूरी पर हाल्ट स्टेशन बना है। अब इस रेलवे के हाल्ट स्टेशन को अंत्योदय के पुरोधा दीनदयाल धाम के नाम से जाना जाता है। बड़े नाम वाले इस स्टेशन पर अब ट्रेनो की संख्या चार से घटकर दो रह गई है। ऐसे में इस स्टेशन को लेकर स्थानीय लोगों में निराशा के भाव बन गए हैं।

करीब 40 साल पहले कांग्रेस राज के दौरान कस्बा में रेलवे स्टेशन बना तो लोगों में खुशी दौड़ी थी। एक पैंसेजर के ठहराव से शुरू हुए इस हाल्ट स्टेशन को दो ईएमयू और पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी के शासन काल में इंटर सिटी एक्सप्रेस मिली तो कस्बा और क्षेत्र के मजदूर और विद्यार्थियों की दौड़ आगरा के लिए शुरू हो गई।

क्षेत्र से बड़ी संख्या में युवा और मजदूर आगरा- मथुरा के लिए दिल्ली की ओर जाने लगे। विद्यार्थियों को इस सेवा के जरिये बेहतर शिक्षा ग्रहण करने का मौका भी मिला, लेकिन अब स्थिति उलट हैं, यहां केवल एक ईएमयू और गोमती एक्सप्रेस का ठहराव होता है। नाम बड़े और दर्शन छोटे वाली कहावत सिद्ध होने से लोगों में निराशा के भाव है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि यह रेलवे स्टेशन पं. दीनदयाल उपाध्याय के नाम पर है, उनकी जन्म स्थली से सटा भी है। ऐसे में ट्रेनों का ठहराव नहीं होना चिंता की बात है। कस्बा निवासी राहुल अग्रवाल का कहना है कि कोरोना काल से पहले यहां एक पैंसेजर, दो ईएमयू और इंटरसिंटी ठहरती थी, अब केवल एक ईएमयू और इंटर सिटी का ही ठहराव होता है।

बड़े नाम वाले इस दीनदयाल धाम रेलवे स्टेशन पर सुविधाओं का अभाव है। टिकट घर कमरे और बरामदे का फर्श टूटा हुआ है। शौचालय में गंदे कपड़े भरे हुए हैं, किवाड़ का पता नहीं है। पीने का पानी नहीं है, एक हैंडपंप लगा है जो खारा पानी उगलता है।

राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी ने बांके बिहारी मंदिर में की पूजा

मोदी सरकार पर लगाया संविधान का गला घौंटने का आरोप

केरल में जीत, तमिलनाडु में सरकार बनाने पर जताया आभार

यूनिक समय, मथुरा। वृन्दावन में आज कांग्रेस के राज्यसभा सांसद और उप नेता प्रमोद तिवारी ने अपनी विधायक पुत्री आराधना मिश्रा के साथ बांके बिहारी मंदिर में दर्शन पूजा की। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि वह देश के संविधान की रक्षा के लिए बांके बिहारी से गुहार लगाने आये हैं।

कांग्रेस से रज्यसभा सांसद और उप नेता प्रमोद तिवारी ने दर्शन के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा सरकार यानि मोती और अमित शाह ने जिस तरह बंगाल के चुनाव में चुनावआयोग और मशीनरी के दम पर जीत हासिल कर सरकार बनाक संविधान की हत्या करने का प्रयास किया है। जिस सुबेंदु अधिकारी को लेकर मोदी जी मजाक बनाते थे। रिश्वत लेते हुए वीडियो दिखाकर आज उसी भ्रस्टाचारियों के साथ सरकार बनाई है। अब 2029 तक आप देखना संघ और भाजपा दोनों की फूट सामने आएगी क्यों की मोदी अमित शाह बिना संघ और भाजपा के नेताओं को दरकिनार करके बाहर से आये लोगों को मुख्यमंत्री बना रहे है जिससे यही दीखता है की 2029 से पहले मोदी प्रधानमंत्री पद से हटा दिए जायेंगे। हमने केरल का चुनाव कांग्रेस के नेतृत्व में जीता है। तामिलनाडु में हमने धर्म निरपेक्षता रक्षा करते हुए वहां सरकार बनाई है। भारतीय जनता पार्टी द्वारा संविधान का जिस तरह गला घौंटने का प्रयास कर रही है उसे कांग्रेस बचाने के लिए लड़ाई लड़ रही है। भाजपा क्षेत्रीय दलों को भी समाप्त करती जा रही है। क्षेत्रीय दल कांग्रेस के सहयोग से ही अपने को बचा सकते हैं। भाजपा जिस तरह कार्य कर रही है आजाद भारत में इस तरह के काम पहले कभी नहीं हुए। विधायक आराधना मोना मिश्रा ने कहा कि भाजपा सरकार महिला आरक्षण बिल पर कहा कि सरकार महिलाओं के साथ धोखा कर रही है। कांग्रेस सरकार ने 2022 में महिलाओं को चुनावों में 40 प्रतिशत टिकट दिए थे। सरकार महिला आरक्षण बिल के नाम पर महिलाओं को गुमराह कर रही है। इस मौके पर पूर्व विधायक प्रदीप माथुर, महानगर अध्यक्ष मुकेश धनगर, दीपक पारशर, संदीप चौधरी, गौरव अग्रवाल, अजीत आदि मौजूद रहे।

राजीव इंटरनेशनल स्कूल के छात्र राघव अग्रवाल का शानदार प्रदर्शन

एमएमए स्पोर्ट्स मीट में दो गोल्ड सहित तीन मेडल जीते

यूनिक समय, मथुरा। राजीव इंटरनेशनल स्कूल के कक्षा 8 के प्रतिभाशाली छात्र राघव अग्रवाल ने मथुरा मेडिकल एसोसिएशन द्वारा आईएमए हॉल में आयोजित स्पोर्ट्स मीट में कमाल का प्रदर्शन करते हुए दो गोल्ड तथा एक सिल्वर मेडल सहित कुल तीन मेडल जीतकर अपनी धाक जमाई। राघव अग्रवाल ने टेबल टेनिस तथा कैरम में गोल्ड मेडल एवं शतरंज में सिल्वर मेडल जीतकर विद्यालय का गौरव बढ़ाया।

स्कूल की प्रधानाध्यापिका प्रिया मदान ने बताया कि हाल ही में मथुरा मेडिकल एसोसिएशन द्वारा आईएमए हॉल में आयोजित स्पोर्ट्स मीट में राघव अग्रवाल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन मेडल जीते जिसमें दो गोल्ड तथा एक सिल्वर मेडल शामिल है। उन्होंने बताया कि राघव ने टेबल टेनिस एवं कैरम में गोल्ड मेडल तथा शतरंज में सिल्वर मेडल पर कब्जा जमाया।

मैडल के साथ राघव अग्रवाल।

प्रधानाध्यापिका प्रिया मदान ने बताया कि राघव खेल के साथ पढ़ाई में भी अव्वल है। उन्होंने राघव अग्रवाल की शानदार सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

टेबल टेनिस, कैरम में गोल्ड, शतरंज में सिल्वर मेडल जीता

प्रधानाध्यापिका श्रीमती मदान ने बताया कि राजीव इंटरनेशनल स्कूल में शिक्षा के साथ-साथ नृत्य-संगीत, इंडोर गेम, आउटडोर गेम आदि क्षेत्रों पर भी फोकस किया जाता है। यही वजह है कि यहां के छात्र-छात्राएं हर विधा में सफलता का परचम फहराते रहते हैं।

विद्यालय के चेयरमैन मनोज अग्रवाल ने छात्र राघव अग्रवाल की सफलता पर प्रशंसा करते हुए कहा कि पढ़ाई हो या खेल का क्षेत्र जो विद्यार्थी मेहनत करेगा, सफलता उसके कदम चूमेगी।

श्री अग्रवाल ने कहा कि किसी भी स्पर्धा में सफलता से अधिक महत्वपूर्ण उसमें सहभागिता करना होता है। यह प्रसन्नता की बात है कि राघव ने तीन स्पर्धाओं में हिस्सा लिया और तीनों में मेडल जीते।

चेयरमैन श्री अग्रवाल ने राघव को बधाई देते हुए उसके माता-पिता तथा खेल की बारीकियां सिखाने वाले स्पोर्ट्स टीचर की भी सराहना की। श्री अग्रवाल ने कहा कि राघव का यह प्रदर्शन अन्य छात्र-छात्राओं के लिए प्रेरणा का काम करेगा। उन्होंने कहा कि समय बदल रहा है, अब कोई भी विद्यार्थी खेल के क्षेत्र में भी शानदार करियर बना सकता है। श्री अग्रवाल ने छात्र-छात्राओं का आह्वान किया कि तन-मन से स्वस्थ रहने के लिए प्रतिदिन किसी न किसी खेल में हाथ आजमाना जरूरी है।

डॉ. सिद्धार्थ अटल बिहारी वाजपेयी मेडिकल एक्सीलेंस अवॉर्ड से सम्मानित

डॉ. सिद्धार्थ को अटल बिहारी वाजपेयी मेडिकल एक्सीलेंस अवॉर्ड से सम्मानित करते अतिथि।

यूनिक समय, मथुरा। नई दिल्ली में आयोजित समारोह में जिला अस्पताल मथुरा के डॉ. सिद्धार्थ धनगर को स्वास्थ्य सेवा एवं जनसेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यों के लिए "अटल बिहारी वाजपेयी मेडिकल एक्सीलेंस अवॉर्ड 2026" से सम्मानित किया गया।

डॉ. धनगर ने कहा कि यह सम्मान उनके लिए गर्व के साथ-साथ एक नई जिम्मेदारी का एहसास भी कराता है। उन्होंने कहा कि "मानव सेवा ही जीवन का सर्वोत्तम कार्य है।"

स्वास्थ्य सेवा, चिकित्सा नैतिकता और रोगियों की बेहतर देखभाल के क्षेत्र में किए गए कार्यों के लिए यह सम्मान प्राप्त कर वह स्वयं को गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि यह सम्मान उन्हें समाज सेवा, समर्पण, संवेदनशीलता और बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर कार्य करने की प्रेरणा देता रहेगा।

सुबह उठने का सही समय, 99% लोग अब भी नहीं जानते

उम्र वर्ग	नींद की आवश्यकता	सुबह उठने का सही समय
बच्चे (6-13 वर्ष)	9–11 घंटे	सुबह 6:00 – 7:00 बजे
युवा (18-25 वर्ष)	7–9 घंटे	सुबह 5:30 – 6:30 बजे
वर्किंग प्रोफेशनल्स	7–8 घंटे	सुबह 5:00 – 6:00 बजे
बुजुर्ग (65+ वर्ष)	7–8 घंटे	सुबह 5:00 बजे से पहले

यूनिक समय, नई दिल्ली। आज की तेज़ रफ्तार जिंदगी में नींद और दिनचर्या दोनों ही बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। अधिकतर लोग देर रात तक मोबाइल, टीवी या काम में व्यस्त रहते हैं और सुबह देर से उठते हैं। यही वजह है कि थकान, तनाव और कई स्वास्थ्य समस्याएँ आम होती जा रही हैं। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर सुबह उठने का सही समय क्या होना चाहिए? आयुर्वेद के अनुसार सुबह का सबसे उत्तम समय "ब्रह्म मुहूर्त" माना गया है। यह समय सूर्योदय से लगभग डेढ़ घंटे पहले का होता है, जो सामान्यतः सुबह 4 बजे से 5:30 बजे के बीच पड़ता है। इस समय वातावरण शांत, ताज़ा और सकारात्मक ऊर्जा से भरपूर माना जाता है। माना जाता है कि इस दौरान उठने से मन अधिक स्थिर रहता है और ध्यान, योग, पढ़ाई जैसे कार्यों में एकाग्रता बढ़ती है।

आधुनिक विज्ञान भी इस बात को पूरी तरह नकारता नहीं है। वैज्ञानिकों के अनुसार मानव शरीर एक "सर्केडियन रिदम" यानी जैविक घड़ी के अनुसार काम करता है, जो दिन और रात के प्रकाश–अंधकार के अनुसार नियंत्रित होती है। सुबह 5 से 7 बजे के बीच शरीर में कोर्टिसोल हार्मोन का स्तर बढ़ने लगता है, जो हमें जागृत और सक्रिय बनाता है। वहीं देर तक सोते रहने से यह प्राकृतिक लय बिगड़ जाती है और दिनभर सुस्ती महसूस होती है।

विशेषज्ञों के अनुसार हर व्यक्ति की उम्र और जीवनशैली के अनुसार नींद और जागने का समय थोड़ा अलग हो सकता है। बच्चों को अधिक नींद की आवश्यकता होती है, जबकि युवा और कामकाजी लोगों के लिए 7 से 8 घंटे की नींद पर्याप्त मानी जाती है। यदि कोई व्यक्ति रात 10 बजे तक सो जाए तो सुबह 5 से 6 बजे के बीच उठना शरीर के लिए सबसे बेहतर माना जाता है। सुबह जल्दी उठने से न केवल शारीरिक स्वास्थ्य बेहतर होता है, बल्कि मानसिक शांति और उत्पादकता भी बढ़ती है। ताज़ी हवा, हल्की धूप और शांत वातावरण दिन की शुरुआत को सकारात्मक बनाते हैं।

इसलिए विशेषज्ञों की सलाह है कि यदि जीवन में ऊर्जा, अनुशासन और अच्छा स्वास्थ्य चाहिए तो देर रात की आदतों को छोड़कर सुबह जल्दी उठने की आदत अपनाना बेहद जरूरी है।

ब्रिटेन में तेजी से बढ़ी कैरम की लोकप्रियता

यूनिक समय, नई दिल्ली। ब्रिटेन में पारंपरिक दक्षिण एशियाई खेल कैरम एक बार फिर लोगों के बीच लोकप्रियता हासिल कर रहा है। यह खेल अब केवल मनोरंजन का साधन नहीं रहा, बल्कि विभिन्न समुदायों और लोगों को जोड़ने का एक प्रभावी माध्यम बनता जा रहा है। लंदन सहित कई बड़े शहरों में कैरम नाइट्स और क्लब इवेंट्स का आयोजन तेजी से बढ़ा है, जिनमें भारी संख्या में लोग शामिल हो रहे हैं।

लंदन के नॉटिंग हिल क्षेत्र में स्थित ढिशूम परमिट रूम जैसे स्थानों पर आयोजित कैरम आयोजनों में माहौल बेहद उत्साहपूर्ण रहता है। खिलाड़ी और दर्शक एक साथ बैठकर खेल का आनंद लेते हैं, बातचीत करते हैं और आपसी मेलजोल बढ़ाते हैं। कई आयोजनों में तो टिकटों की भारी मांग देखने को मिलती है, जहां सीमित सीटों के लिए सैकड़ों लोग प्रयास करते हैं।

कैरम की बढ़ती लोकप्रियता का सबसे बड़ा कारण लोगों की ऑफलाइन सामाजिक जुड़ाव की बढ़ती जरूरत माना जा रहा है। डिजिटल जीवन और सोशल मीडिया की थकान के बीच लोग अब ऐसे

सामाजिक जुड़ाव का बन रहा नया माध्यम

प्लेटफॉर्म की तलाश में हैं, जहां वे आमने–सामने मिल सकें और वास्तविक बातचीत कर सकें। कैरम इसी जरूरत को पूरा कर रहा है, जिससे यह युवाओं और परिवारों दोनों के बीच आकर्षण का केंद्र बन गया है।

ब्रिटेन में इस खेल के विस्तार में अब्दुस खान का नाम प्रमुख रूप से जुड़ा हुआ है, जिन्होंने 'कैरम' नाम से एक बड़ी कम्युनिटी की शुरुआत की है। आज इस समुदाय से 12 हजार से अधिक लोग जुड़े हुए हैं। खान का मानना है कि यह खेल सिर्फ मनोरंजन नहीं, बल्कि लोगों को एक–दूसरे से जोड़ने का सशक्त माध्यम है।

हालांकि कैरम की उत्पत्ति को लेकर भारत, बांग्लादेश, पाकिस्तान और यमन जैसे देशों में अलग–अलग दावे किए जाते हैं, लेकिन ब्रिटेन में इसका महत्व इसकी सांस्कृतिक सीमाओं से कहीं आगे निकल चुका है। यहां यह खेल विभिन्न समुदायों के बीच सामाजिक सेतु का काम कर रहा है और लोगों को एक साथ लाने में अहम भूमिका निभा रहा है।

पांच मिनट में ऐसे बनाएं देसी कूलिंग ड्रिंक

हीट स्ट्रोक से राहत देगा पान–गुलकंद शरबत

यूनिक समय, नई दिल्ली। गर्मी का मौसम जैसे–जैसे तेज हो रहा है, वैसे–वैसे लू, डिहाइड्रेशन और हीट स्ट्रोक के मामले भी बढ़ने लगे हैं। ऐसे में लोग शरीर को ठंडा रखने के लिए तरह–तरह के घरेलू उपाय अपना रहे हैं। इसी बीच पान–गुलकंद का शरबत एक बेहतरीन देसी विकल्प के रूप में तेजी से लोकप्रिय हो रहा है, जो न सिर्फ शरीर को ठंडक देता है बल्कि पाचन तंत्र को भी दुरुस्त रखने में मदद करता है।

पारंपरिक रूप से पान–गुलकंद का उपयोग शरीर की गर्मी कम करने और मुंह के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए किया जाता रहा है। पान के पत्तों में प्राकृतिक कूलिंग गुण पाए जाते हैं, जबकि गुलकंद शरीर में एसिडिटी और जलन को नियंत्रित करता है। यही वजह है कि गर्मियों में यह ड्रिंक एक हेल्दी और रिफ्रेशिंग विकल्प माना जा रहा है।

विशेषज्ञों के अनुसार, बदलती लाइफस्टाइल और जंक फूड के बढ़ते सेवन के कारण शरीर में गर्मी और एसिडिटी की समस्या बढ़ रही है। ऐसे में प्राकृतिक पेय जैसे पान–गुलकंद का शरबत शरीर को भीतर से ठंडक देने का काम करते हैं और एनर्जी भी बनाए रखते हैं।

यह शरबत बनाना बेहद आसान है और मात्र कुछ मिनटों में तैयार किया जा सकता है। इसके लिए पान के पत्ते, गुलकंद, भीगी हुई सौंफ, इलायची पाउडर, ठंडा दूध या पानी और स्वाद अनुसार चीनी की जरूरत होती है। इन सभी सामग्रियों को मिक्सर में पीसकर तैयार किया जाता है और बर्फ के साथ परोसा जाता है। इसका स्वाद जितना अच्छा होता है, उतना ही यह शरीर के लिए फायदेमंद भी होता है।

गर्मी में अक्सर लोग बाजार के ठंडे पेय पदार्थों का सेवन करते हैं, लेकिन इनमें अधिक चीनी और केमिकल होने के कारण स्वास्थ्य पर नकारात्मक असर पड़ सकता है। इसके मुकाबले पान–गुलकंद जैसे देसी पेय प्राकृतिक होते हैं और शरीर को नुकसान पहुंचाए बिना ठंडक प्रदान करते हैं।

आयुर्वेद के अनुसार, ऐसे पेय शरीर के पित्त दोष को संतुलित करने में मदद करते हैं, जिससे गर्मी के कारण होने वाली समस्याएं जैसे सिरदर्द, जलन और थकान कम होती हैं।

निष्कर्ष यह है कि गर्मियों में अगर शरीर को स्वस्थ और ठंडा रखना है, तो पान–गुलकंद का शरबत एक आसान, सस्ता और प्रभावी विकल्प साबित हो सकता है।

भारत के रोमांचक जंगल सफारी स्थल पर होंगे शेर, बाघ, हाथी के दर्शन

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारत में वन्यजीव प्रेमियों के लिए जंगल सफारी का अनुभव किसी रोमांच से कम नहीं है। यहां कई ऐसे राष्ट्रीय उद्यान और वन्यजीव अभयारण्य मौजूद हैं, जहां प्रकृति की गोद में शेर, बाघ, हाथी, तेंदुआ, हिरण और अनेक दुर्लभ प्रजातियों के जानवरों को उनके प्राकृतिक वातावरण में देखा जा सकता है। गर्मियों का मौसम जंगल सफारी के लिए विशेष रूप से उपयुक्त माना जाता है, क्योंकि इस समय जानवर पानी के स्रोतों के आसपास अधिक सक्रिय रहते हैं और उन्हें देखने की संभावना बढ़ जाती है।

राजस्थान में स्थित रणथंभौर राष्ट्रीय उद्यान देश के सबसे प्रसिद्ध वन्यजीव स्थलों में से एक है। यह उद्यान अपने बाघों और ऐतिहासिक किले के लिए जाना जाता है। यहां की सफारी के दौरान पर्यटक खुले जंगल में बाघों को देखने का रोमांचक अनुभव प्राप्त करते हैं। सुबह और शाम के समय यहां वन्यजीवों की गतिविधियां अधिक देखने को मिलती हैं। उत्तराखंड में स्थित जिम कॉर्बेट राष्ट्रीय उद्यान भारत का सबसे पुराना राष्ट्रीय उद्यान है। यह घने जंगलों, नदी घाटियों और पहाड़ी इलाकों से घिरा हुआ है। यहां की सफारी में पर्यटक प्रकृति के बेहद करीब महसूस करते हैं। यह स्थान बाघों की उपस्थिति के लिए भी काफी प्रसिद्ध है और हर साल बड़ी संख्या में पर्यटक यहां पहुंचते हैं। मध्य प्रदेश का कान्हा राष्ट्रीय उद्यान अपनी हरियाली और विशाल घास के मैदानों के लिए जाना जाता है। यह उद्यान बारहसिंगा जैसे दुर्लभ वन्यजीवों का प्रमुख निवास स्थान है। यहां की शांत और प्राकृतिक सुंदरता पर्यटकों को आकर्षित करती है और सफारी के दौरान अनेक प्रकार के वन्यजीव आसानी से देखने को मिल जाते हैं। गुजरात में स्थित गिर राष्ट्रीय उद्यान एशियाई शेरों का अंतिम प्राकृतिक आवास माना जाता है। यह स्थान शेरों को करीब से देखने का दुर्लभ अवसर प्रदान करता है।

यहां का सूखा जंगल और खुले घास के मैदान सफारी अनुभव को और भी रोमांचक बना देते हैं। कुल मिलाकर भारत के ये राष्ट्रीय उद्यान न केवल वन्यजीव संरक्षण का महत्वपूर्ण केंद्र हैं, बल्कि पर्यटकों के लिए प्रकृति से जुड़ने और रोमांच महसूस करने का बेहतरीन अवसर भी प्रदान करते हैं। जंगल सफारी का यह अनुभव जीवन भर याद रहने वाला होता है, जो प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता और प्रेम को भी बढ़ाता है।

सुविचार

एक मीठा शब्द किसी का दिन रोशन कर सकता है।

कल का पंचांग

तिथि	दशमी	03:24-02:52 तक	पक्ष	कृष्ण पक्ष
नक्षत्र	शतभिषा	12:50-01:28 तक	माह	ज्येष्ठ
सूर्योदय		5:37 AM	चन्द्रोदय	01:43 AM
सूर्यास्त		6:54 PM	चंद्रास्त	01:21 PM
सूर्य राशि		मेष राशि	चंद्र	कुंभ राशि
शुभ मुहूर्त		11:49AM -12:42 PM	ब्रहम् मुहूर्त	04:02-03:50
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2083
राहुकाल		07:16 AM: 08:56 AM	वार	सोमवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

गृह प्रवेश में इन चीजों को लाने से मिलेगा शुभ फल

यूनिक समय, मथुरा। हिंदू शास्त्रों और वास्तु परंपरा में गृह प्रवेश को एक अत्यंत पवित्र संस्कार माना गया है। यह केवल नए घर में प्रवेश का क्षण नहीं होता, बल्कि माना जाता है कि उसी समय घर की ऊर्जा, भाग्य और भविष्य की दिशा तय होती है। इसलिए शास्त्रों में यह स्पष्ट रूप से बताया गया है कि नए घर में कौन–सी वस्तुएं ले जाना शुभ होता है और किनसे बचना चाहिए। सही नियमों का पालन करने से घर में सकारात्मक ऊर्जा, शांति और समृद्धि बनी रहती है। शास्त्रों के अनुसार गृह प्रवेश के समय कलश, नारियल और गंगाजल का प्रवेश अत्यंत शुभ माना गया है। कलश को सृष्टि और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है, जबकि गंगाजल घर को पवित्र करता है और नकारात्मक ऊर्जा को दूर करता है। इसी प्रकार भगवान लक्ष्मी और गणेश की मूर्ति या चित्र का प्रवेश भी शुभ माना जाता है, क्योंकि यह धन, बुद्धि और विघ्नों से सुरक्षा का प्रतीक है।

MANNAT GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

इसके अलावा अनाज जैसे चावल और गेहूं का प्रवेश घर में अन्न–समृद्धि का संकेत देता है। दूध और दही को भी शुभ माना जाता है, क्योंकि यह वृद्धि और उन्नति का प्रतीक है। शास्त्रों में नमक को संतुलन और स्थिरता का प्रतीक बताया गया है, जबकि तुलसी का पौधा घर में सकारात्मक ऊर्जा और आध्यात्मिक शुद्धता बनाए रखता है। वहीं दूसरी ओर कुछ वस्तुएं अशुभ मानी गई हैं। शास्त्रों के अनुसार टूटी हुई मूर्तियां, दरार वाले बर्तन या खराब वस्तुएं नए घर में नहीं ले जानी चाहिए, क्योंकि इन्हें दुर्भाग्य का प्रतीक माना जाता है। इसी तरह पुरानी झाड़ू को दरिद्रता से जोड़ा गया है, इसलिए इसे नए घर में प्रवेश नहीं देना चाहिए।

इसके अलावा तामसिक वस्तुएं जैसे शराब, मांस, तंबाकू भी गृह प्रवेश में वर्जित मानी गई हैं, क्योंकि यह सात्त्विक वातावरण को प्रभावित करती हैं। बीमारी या शोक से जुड़ी वस्तुएं जैसे पुरानी दवाइयां या अस्पताल का सामान भी नकारात्मक ऊर्जा का कारण माना जाता है। शास्त्रों के अनुसार गृह प्रवेश के समय कभी भी खाली हाथ प्रवेश नहीं करना चाहिए, बल्कि कोई शुभ वस्तु साथ ले जाना चाहिए। गृह प्रवेश केवल एक परंपरा नहीं बल्कि ऊर्जा संतुलन का प्रतीक है। यदि शुभ वस्तुओं के साथ विधिवत प्रवेश किया जाए और अशुभ वस्तुओं से बचा जाए, तो नया घर सुख, शांति और समृद्धि से भर जाता है।

मंदिर खुलने व बंद होने का समय

- श्रीबांके बिहारीजी मंदिर में सुबह 8 .00 से दोपहर 01 .30 बजे तक और शाम 4 .00 से रात 9 .00 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि में श्री गर्भगृह के दर्शन सुबह 6 .30 बजे से रात 9 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि के भागवत भवन व अन्य मंदिर में सुबह 6 .30 बजे से दोपहर 12 बजे तक और शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक।
- द्वारकाधीश मंदिर में सुबह 6 .30 बजे से 11 बजे तक और शाम 4 बजे से 7 .30 बजे तक।

कल का राशिफल

कल का दिन ज्योतिषीय दृष्टि से कई राशियों के लिए परिवर्तन और अवसर लेकर आ रहा है। ग्रह–नक्षत्रों की स्थिति कुछ राशियों के लिए प्रगति का संकेत दे रही है, तो कुछ के लिए सावधानी और संयम की आवश्यकता भी बनी हुई है। यह दिन जीवन के विभिन्न क्षेत्रों–करियर, धन, प्रेम और स्वास्थ्य–पर अलग–अलग प्रभाव डालेगा।

मेष राशि वालों के लिए दिन भाग्यशाली रहेगा। यात्रा के योग बन रहे हैं और व्यापार में लाभ मिल सकता है, हालांकि प्रेम संबंधों में थोड़ी दूरी महसूस हो सकती है।

वृषभ राशि के जातकों को वित्तीय मामलों में सतर्क रहने की सलाह दी जाती है, क्योंकि अनावश्यक खर्च बढ़ सकते हैं और दूसरों की गलतियों का असर आपके कार्यों पर पड़ सकता है।

मिथुन राशि के लिए दिन थोड़ा चुनौतीपूर्ण रह सकता है, विशेषकर बैंकिंग और वित्तीय क्षेत्र से जुड़े लोगों को कानूनी मामलों से बचकर रहना चाहिए।

कर्क राशि के जातकों को धैर्य रखने की आवश्यकता है, क्योंकि दोपहर के बाद परिस्थितियाँ अनुकूल हो सकती हैं और आर्थिक निर्णयों में जल्दबाजी से बचना होगा।

सिंह राशि के लिए यह दिन मान–सम्मान और प्रतिष्ठा बढ़ाने वाला साबित हो सकता है। कार्यक्षेत्र में मेहनत का पूरा फल मिलेगा।

कन्या राशि के लोगों के लिए करियर में प्रगति के संकेत हैं और रचनात्मक कार्यों में रुचि बढ़ेगी, जिससे दिन संतुलित रहेगा।

तुला राशि के जातकों को कार्यक्षेत्र में नई उपलब्धियाँ मिल सकती हैं और रुका हुआ धन या संपत्ति संबंधी कार्य पूरे होने की संभावना है।

वृश्चिक राशि के लिए नए नौकरी के अवसर बन सकते हैं और आर्थिक स्थिति मजबूत हो सकती है।

धनु राशि के लिए आत्मविश्वास में वृद्धि होगी, लेकिन वाणी पर संयम रखना जरूरी है। स्वास्थ्य को लेकर भी सावधानी बरतनी होगी।

मकर राशि के जातकों के लिए यह दिन अत्यंत शुभ माना जा रहा है, नए आय स्त्रोत बन सकते हैं और करियर में उन्नति होगी।

कुंभ राशि वालों की रचनात्मकता बढ़ेगी और दिन की शुरुआत शुभ मानी जा रही है।

मीन राशि के जातकों को कार्यस्थल पर नई जिम्मेदारियाँ मिल सकती हैं और पुरानी समस्याओं का समाधान भी संभव है।

अंक चार और राहु ने बदला थलापति विजय की किस्मत का खेल

यूनिक समय, मथुरा। अंक ज्योतिष में हर अंक का एक विशेष महत्व और उससे जुड़ा ग्रह माना जाता है। 1 से 9 तक के प्रत्येक अंक किसी न किसी ग्रह की ऊर्जा को दर्शाते हैं। इन्हीं में से मूलांक 4 का संबंध रहस्यमयी ग्रह राहु से जोड़ा जाता है। राहु को ज्योतिष में अचानक सफलता, अप्रत्याशित परिवर्तन और असाधारण उपलब्धियों का कारक माना गया है। इसी संदर्भ में अभिनेता से नेता बने थलापति विजय का नाम अक्सर मूलांक 4 और राहु की ऊर्जा से जोड़ा जाता है।

थलापति विजय का जन्म 22 जून 1974 को माना जाता है, जिसके अनुसार उनका मूलांक 4 बनता है। अंक ज्योतिष के अनुसार मूलांक 4 वाले लोग सामान्य रास्तों से नहीं चलते, बल्कि वे अपने लिए अलग और नया मार्ग बनाते हैं। इन लोगों के जीवन में स्थिरता कम और परिवर्तन अधिक होता है। यही कारण है कि इनके जीवन में उतार–चढ़ाव के बाद बड़ी सफलता देखने को मिलती है। राहु को राजनीति में "किंग मेकर" ग्रह भी कहा जाता है। यह ग्रह व्यक्ति को अप्रत्याशित लोकप्रियता और प्रभाव दिलाने की क्षमता रखता है। जब राहु अनुकूल स्थिति में होता है, तो व्यक्ति साधारण स्थिति से सीधे उच्च पद तक पहुंच सकता है। विजय के करियर में भी ऐसा ही उतार–चढ़ाव और फिर बड़ी सफलता का पैटर्न देखा जाता है। मूलांक 4 वाले लोग मेहनती, जिद्दी और लक्ष्य के प्रति समर्पित माने जाते हैं। ये लोग तब तक हार नहीं मानते जब तक अपने लक्ष्य को हासिल न कर लें। इनमें निर्णय लेने की क्षमता मजबूत होती है और ये विपरीत परिस्थितियों में भी टिके रहते हैं। यही गुण उन्हें भीड़ से अलग बनाता है।

इसके अलावा ये लोग व्यवस्था, रणनीति और सिस्टम को समझने में भी कुशल होते हैं। समाज में बदलाव लाने की इच्छा और नेतृत्व की क्षमता इन्हें राजनीति और सार्वजनिक जीवन में प्रभावशाली बनाती है।हालांकि अंक ज्योतिष केवल एक मान्यता है और सफलता का वास्तविक आधार व्यक्ति की मेहनत, अवसर और निर्णय क्षमता होती है। लेकिन यह भी सच है कि कुछ लोग अपने जीवन की घटनाओं को ग्रहों और अंकों की ऊर्जा से जोड़कर देखते हैं।

इस प्रकार थलापति विजय की सफलता को मूलांक 4 और राहु की रहस्यमयी ऊर्जा से जोड़कर देखा जाता है, जो उनके संघर्ष से लेकर उपलब्धियों तक की यात्रा को और भी रोचक बना देता है।

चाणक्य की सीखें बनाती हैं मजबूत सोच का आधार

यूनिक समय, मथुरा। आचार्य चाणक्य की नीतियाँ सदियों बाद भी उतनी ही प्रासंगिक हैं जितनी प्राचीन काल में थीं। उनका दृष्टिकोण केवल राजनीति या अर्थशास्त्र तक सीमित नहीं था, बल्कि मानव जीवन, व्यवहार और सोच को गहराई से समझने पर आधारित था। आज के तेज़ और प्रतिस्पर्धी युग में उनकी चार प्रमुख सीखें युवाओं के लिए मार्गदर्शक सिद्ध हो सकती हैं, जो न केवल सोच को मजबूत बनाती हैं बल्कि जीवन की दिशा भी तय करती हैं।

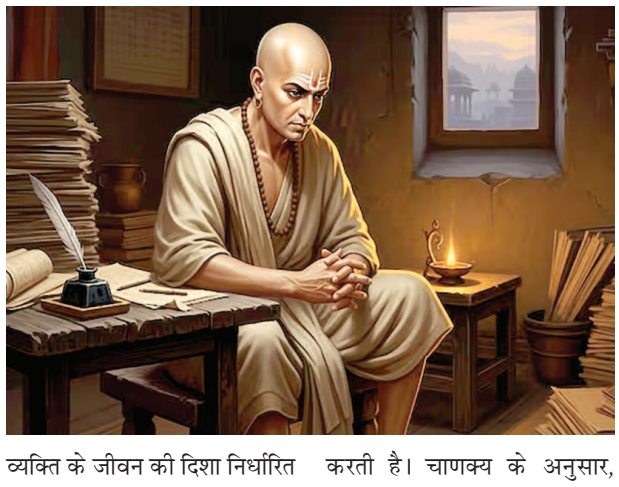

पहली सीख है कि सही संगत ही व्यक्ति के जीवन की दिशा निर्धारित करती है। चाणक्य के अनुसार, इंसान अपने आसपास के लोगों से गहराई से प्रभावित होता है। यदि व्यक्ति मेहनती, सकारात्मक और लक्ष्य–केन्द्रित लोगों के बीच रहता है तो उसकी सोच भी उसी दिशा में विकसित होती है। इसके विपरीत, गलत संगत व्यक्ति को भटकाव की ओर ले जा सकती है। इसलिए मित्र और परिवेश का चयन सोच–समझकर करना चाहिए।

दूसरी महत्वपूर्ण सीख समय की कीमत को समझना है। चाणक्य कहते हैं कि जो समय चला गया वह कभी लौटकर नहीं आता। आज की दुनिया में टालमटोल की आदत सबसे बड़ी बाधा बनती जा रही है। जो लोग समय का सही उपयोग करते हैं, वे ही जीवन में आगे बढ़ते हैं, जबकि देरी करने की आदत अवसरों को खोने का कारण बनती है।

तीसरी सीख ज्ञान को सबसे बड़ी शक्ति मानना है। धन और पद अस्थायी हो सकते हैं, लेकिन ज्ञान हमेशा व्यक्ति के साथ रहता है। ज्ञान ही वह साधन है जो कठिन परिस्थितियों में भी रास्ता दिखाता है। निरंतर सीखने की प्रक्रिया व्यक्ति को आत्मनिर्भर और सक्षम बनाती है।

चौथी और महत्वपूर्ण सीख है– हर किसी पर अंधा विश्वास न करना। चाणक्य के अनुसार समझदारी इसी में है कि व्यक्ति लोगों को समय देकर परखे और उनके व्यवहार को समझे। अत्यधिक विश्वास कई बार धोखे का कारण बन सकता है, इसलिए संतुलित दृष्टिकोण आवश्यक है।

इन चारों सीखों का सार यही है कि मजबूत सोच वही है जो सही संगत, समय की समझ, ज्ञान की शक्ति और विवेकपूर्ण विश्वास पर आधारित हो। जो युवा इन सिद्धांतों को अपनाते हैं, वे जीवन में अधिक स्थिर, सफल और आत्मविश्वासी बनते हैं।

सम्पादकीय

पेट्रोल पंपों पर ईंधन चोरी का बड़ा खेल

उत्तर प्रदेश में पेट्रोल पंपों पर ईंधन चोरी और माप में हेरफेर की शिकायतें लगातार बढ़ती जा रही हैं। हाल ही में सुर्खियों में आया एक पेट्रोल पंप घोटाला केवल एक उदाहरण भर है, लेकिन इसकी गूंज यूपी के शहरों और कस्बों तक भी साफ सुनाई देती है।

यह समस्या केवल किसी एक राज्य तक सीमित नहीं है बल्कि एक संगठित व्यवस्था की ओर इशारा करती है, जिसमें तकनीकी हेरफेर और कर्मचारियों की मिलीभगत से उपभोक्ताओं को रोजाना चूना लगाया जाता है। पेट्रोल पंपों पर मीटर से कम ईंधन देने, नोजल को जल्दी बंद करने और चिप लगाकर मात्रा घटाने जैसी तकनीकें अब कोई नई बात नहीं रह गई हैं। उपभोक्ता अक्सर केवल मीटर देखकर संतुष्ट हो जाता है, जबकि असली नुकसान उसके हिस्से में धीरे–धीरे जुड़ता रहता है।

पवन गौतम
संपादक

उत्तर प्रदेश जैसे बड़े और घनी आबादी वाले राज्य में यदि ऐसी गड़बड़ियां बढ़ती हैं तो यह आम जनता की जेब पर सीधा हमला है। गांव से लेकर शहर तक लोग रोजाना अपने वाहनों में ईंधन भरवाते हैं और छोटी–छोटी कटौती मिलकर बड़ी रकम बन जाती है। सरकार और उपभोक्ता संरक्षण विभाग की जिम्मेदारी है कि वे नियमित जांच करें और दोषियों पर कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करें। केवल जुर्माना लगाना या कुछ समय के लिए पंप सील करना पर्याप्त नहीं है, क्योंकि इससे संदेश कमजोर पड़ता है। आवश्यक है कि पेट्रोल पंप लाइसेंस रद्द करने तक की सख्त व्यवस्था लागू हो, साथ ही उपभोक्ताओं को जागरूक किया जाए कि वे हर बार मीटर शून्य से शुरू होने की पुष्टि करें और रसीद अवश्य लें। यदि उत्तर प्रदेश में समय रहते ऐसी निगरानी व्यवस्था मजबूत नहीं की गई तो आने वाले समय में यह घोटाला और भी व्यापक रूप ले सकता है, जिससे जनता का भरोसा तंत्र से टूटेगा और आर्थिक बोझ बढ़ेगा।

समय की मांग है कि तकनीक आधारित निगरानी, सीसीटीवी ऑडिट और अचानक जांच को अनिवार्य बनाया जाए। साथ ही तेल कंपनियां भी अपनी जिम्मेदारी तय करें। केवल बयानबाजी से नहीं, बल्कि ठोस कार्रवाई से ही इस लूट पर रोक लगेगी और उपभोक्ता को उसका पूरा अधिकार मिल पाएगा। यूपी जैसे राज्य में पारदर्शिता और जवाबदेही ही इस समस्या का स्थायी समाधान बन सकती है। इंसी से व्यवस्था में विश्वास लौटेगा। जनता को राहत तभी मिलेगी जब कठोर कदम उठाए जाएंगे। और जवाबदेही तय की जाएगी।

स्कैन करें

संपादकीय सुनने के लिए मोबाइल से QR कोड को स्कैन करें।

नजरिया

मां के बिना जीवन अधूरा और सूना

बोध प्रकाश सगुणी

मदर्स डे केवल कैलेंडर की एक तारीख भर नहीं है, बल्कि यह मानव जीवन की उस मूल भावना का उत्सव है, जो जन्म से पहले ही आरंभ हो जाती है और जीवन के अंतिम क्षण तक साथ रहती है–मां। यह दिन हमें उस अनदेखे लेकिन सबसे मजबूत रिश्ते की याद दिलाता है, जो बिना किसी शर्त, बिना किसी अपेक्षा और बिना किसी स्वार्थ के जीवन को आकार देता है। मां केवल जन्म देने वाली नहीं होती, बल्कि वह जीवन को संस्कार, संवेदना और दिशा देने वाली वह शक्ति होती है, जिसके बिना मानव अस्तित्व अधूरा है।

समाज जितना आधुनिक होता जा रहा है, उतनी ही तेजी से रिश्तों की परिभाषाएं बदल रही हैं। तकनीक, मोबाइल, इंटरनेट और सोशल मीडिया ने दुनिया को जोड़ तो दिया है, लेकिन भावनात्मक दूरी भी कहीं न कहीं बढ़ाई है। इन सबके बीच मां का स्थान आज भी वही है–अडिग, स्थिर और सबसे ऊपर। चाहे वह गांव की मिट्टी में पली–बढ़ी सरल महिला हो या शहर की भागदौड़ में कामकाजी मां, उसकी ममता, उसका त्याग और उसका प्रेम हमेशा एक जैसा रहता है।

मां केवल पालन–पोषण का माध्यम नहीं होती, वह बच्चे की पहली शिक्षक होती है। बच्चा जब बोलना भी नहीं सीखता, तब भी मां उसकी हर जरूरत को समझ लेती है। उसकी हर मुस्कान के पीछे वह भविष्य देखती है और हर आंसू में उसका पूरा संसार सिमट जाता है। यह संवेदना किसी किताब से नहीं आती, न ही किसी शिक्षा से सीखी जा सकती है। यह केवल मातृत्व के अनुभव से उत्पन्न होती है, जो प्रकृति का सबसे पवित्र और गहरा भाव है।

आज के समय में जीवन की रफ्तार इतनी तेज हो चुकी है कि रिश्तों के लिए समय निकालना कठिन होता जा रहा है। लोग करियर, नौकरी और सामाजिक प्रतिस्पर्धा में इतने व्यस्त हैं कि कई बार मां की भावनाएं पीछे छूट जाती हैं। वीडियो कॉल और संदेश भले ही संपर्क बनाए रखें, लेकिन एक मां की आंखों में झलकने वाली मौन भाषा को ये तकनीकें पूरी तरह नहीं समझ पातीं। मां की उपस्थिति का वास्तविक अर्थ केवल संवाद नहीं, बल्कि उसके साथ बिताया गया समय और उसका सान्निध्य है।

मां का एक और महत्वपूर्ण रूप है–संघर्ष की शक्ति। जब परिवार पर कोई संकट आता है, चाहे वह आर्थिक हो, सामाजिक हो या भावनात्मक, मां सबसे पहले ढाल बनकर खड़ी होती है। वह अपने दुखों को छिपाकर बच्चों के भविष्य को सुरक्षित करने में लग जाती है। यह त्याग ही उसे साधारण मानव से ऊपर उठाकर एक आदर्श बनाता है।

कई बार वह अपने सपनों को पीछे छोड़ देती है ताकि उसके बच्चों के सपने पूरे हो सकें। मदर्स डे का वास्तविक संदेश केवल फूल देने या उपहार देने तक सीमित नहीं होना चाहिए। यह आत्ममंथन का अवसर है कि हम अपनी मां को कितना समझते हैं, कितना सम्मान देते हैं और उनके योगदान को कितना महत्व देते हैं। अक्सर हम अपनी व्यस्तताओं में इतने खो जाते हैं कि मां की छोटी–छोटी इच्छाओं और भावनाओं को नजरअंदाज कर देते हैं, जबकि वही छोटी बातें उनके जीवन का बड़ा हिस्सा होती हैं।

आज एक बड़ी सामाजिक समस्या यह भी है कि पीढ़ियों के बीच दूरी बढ़ती जा रही है। युवा शिक्षा या नौकरी के लिए दूर चले जाते हैं और मां घर में अकेली रह जाती है। यह अकेलापन केवल शारीरिक नहीं होता, बल्कि भावनात्मक भी होता है। कई मांएं इस खालीपन को सहती रहती हैं, बिना किसी शिकायत के। यह स्थिति हमें सोचने पर मजबूर करती है कि क्या हम आधुनिकता की दौड़ में अपने मूल भावों से दूर होते जा रहे हैं।

वृद्धाश्रमों की बढ़ती संख्या भी इसी सामाजिक परिवर्तन का संकेत है। जहां कभी मां को परिवार का केंद्र माना जाता था, आज कई जगह वह जीवन के अंतिम पड़ाव में अकेलेपन का सामना कर रही है। यह केवल व्यक्तिगत नहीं, बल्कि सामूहिक सामाजिक चिंता का विषय है। एक सभ्य समाज की पहचान इस बात से होती है कि वह अपने बुजुर्गों और विशेष रूप से मां के प्रति कितना संवेदनशील है। मां केवल परिवार का आधार नहीं होती, बल्कि वह समाज की नींव भी होती है। एक संस्कारित, जिम्मेदार और संवेदनशील पीढ़ी का निर्माण मां की परवरिश पर निर्भर करता है। यदि मां मजबूत, जागरूक और स्नेहपूर्ण है, तो वह एक मजबूत समाज की नींव रखती है। इसलिए मां का सम्मान केवल व्यक्तिगत नहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी भी है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि मदर्स डे को केवल एक औपचारिकता के रूप में नहीं, बल्कि एक भावनात्मक पुनर्संयोजन के अवसर के रूप में देखा जाए। हमें अपनी मां से संवाद बढ़ाना चाहिए, उनके अनुभवों को सुनना चाहिए और उनके साथ अधिक समय बिताना चाहिए। यह समय उनके लिए किसी भी महंगे उपहार से कहीं अधिक मूल्यवान होता है। मां का प्रेम समय से सीमित नहीं होता और न ही दूरी से प्रभावित होता है। यह एक ऐसा भाव है जो हर परिस्थिति में समान रहता है। चाहे बच्चा छोटा हो या बड़ा, मां की चिंता और स्नेह कभी कम नहीं होता। यह रिश्ता बिना शर्तों के चलता है, बिना अपेक्षाओं के निभता है और जीवन भर साथ रहता है।

मां हमें केवल जीवन नहीं देती, बल्कि जीवन जीने की कला भी सिखाती है। वह हमें धैर्य, करुणा, सहनशीलता और प्रेम का पाठ पढ़ाती है। उसकी सीखें किसी विद्यालय में नहीं मिलतीं, बल्कि जीवन के अनुभवों से आकार लेती हैं। यही कारण है कि मां का स्थान ईश्वर से भी ऊपर माना गया है।

आज के समय में यह आवश्यक हो गया है कि हम अपनी जीवनशैली में कुछ बदलाव लाएं। व्यस्तता के बावजूद मां के लिए समय निकालें, उनकी जरूरतों को समझें और उन्हें यह एहसास दिलाएं कि वे अकेली नहीं हैं। छोटे–छोटे प्रयास जैसे साथ बैठकर भोजन करना, उनकी बातों को ध्यान से सुनना या सिर्फ उनके पास बैठना भी उनके लिए बहुत बड़ा सहारा बन सकता है।

मदर्स डे हमें यह भी सिखाता है कि जीवन में चाहे कितनी भी सफलता क्यों न मिल जाए, मां का स्थान कभी कोई नहीं ले सकता। वह हर उपलब्धि की आधारशिला होती है। इसलिए उसका सम्मान केवल एक दिन का नहीं, बल्कि हर दिन का होना चाहिए। अंततः, मां केवल एक रिश्ता नहीं, बल्कि एक सम्पूर्ण भावना है। वह जीवन की वह शक्ति है जो हर अंधेरे में प्रकाश बनकर साथ चलती है। उसका स्नेह जीवन का सबसे बड़ा सत्य है और उसकी ममता सबसे बड़ा आशीर्वाद। मदर्स डे हमें यह याद दिलाने का अवसर देता है कि मां का सम्मान करना केवल कर्तव्य नहीं, बल्कि सबसे बड़ा सौभाग्य है।

विचार विण्डो

लोकतंत्र की रक्षा के लिए हिंसा पर सख्त प्रहार

ललित गर्ग

पश्चिम बंगाल में चुनाव के बाद हुई हिंसा ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या हमारा लोकतंत्र वास्तव में सुरक्षित और परिपक्व है, या फिर वह अभी भी राजनीतिक प्रतिशोध और शक्ति संघर्ष की आग में झुलस रहा है। लोकतंत्र केवल मतदान की प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह विचारों की स्वतंत्र प्रतिस्पर्धा, सहिष्णुता और शांतिपूर्ण सत्ता परिवर्तन की संस्कृति है। लेकिन जब चुनाव परिणामों के बाद सड़कें खून, आग और डर से भरने लगें, तो यह केवल कानून–व्यवस्था की विफलता नहीं, बल्कि राजनीतिक नैतिकता के पतन का संकेत होता है।

पश्चिम बंगाल की हालिया घटनाएं इस बात का प्रमाण हैं कि राजनीतिक दलों के बीच वैचारिक मतभेद अब संवाद से नहीं, बल्कि हिंसा और भय से सुलझाने की प्रवृत्ति में बदलते जा रहे हैं। भाजपा और तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं के बीच हुई झड़पें, हत्याएं और आगजनी यह दर्शाती हैं कि सत्ता की लड़ाई अब लोकतांत्रिक मर्यादाओं से बाहर निकल चुकी है। लोकतंत्र का सबसे बड़ा आधार यह है कि हार और जीत दोनों को समान गरिमा के साथ स्वीकार किया जाए, लेकिन जब हार को अपमान और जीत को प्रतिशोध का माध्यम बना दिया जाए, तो लोकतंत्र की आत्मा घायल हो जाती है।

भारत ने दुनिया को अहिंसा, करुणा और सह–अस्तित्व का संदेश दिया है। महात्मा गांधी ने राजनीति को सेवा और नैतिकता का माध्यम बताया था, लेकिन आज की राजनीति कई बार सत्ता प्राप्ति के लिए किसी भी सीमा को पार करने को तैयार दिखाई देती है। यही कारण है कि चुनाव अब उत्सव कम और संघर्ष अधिक बनते जा रहे हैं। पश्चिम बंगाल का राजनीतिक इतिहास इस प्रवृत्ति का साक्षी रहा है, जहां लंबे समय से राजनीतिक हिंसा, बूथ कब्जा, और डर का वातावरण बना रहा है। सत्ता चाहे किसी भी दल के पास रही हो, परंतु राजनीतिक संस्कृति में अपेक्षित सुधार नहीं हो सका।

सबसे चिंताजनक बात यह है कि इस हिंसा का सबसे बड़ा शिकार आम नागरिक होता है। वे लोग जिनका राजनीतिक संघर्ष से प्रत्यक्ष कोई संबंध नहीं होता, उनकी दुकानें जलती हैं, घर उजड़ते हैं और जीवन असुरक्षा से भर जाता है। राजनीति का उद्देश्य समाज को जोड़ना होना चाहिए, लेकिन जब वही राजनीति लोगों को विभाजित और भयभीत करने लगे, तो यह लोकतंत्र के लिए गंभीर खतरा बन जाती है।

राजनीतिक दलों की भूमिका भी इस स्थिति में अत्यंत महत्वपूर्ण है। अक्सर देखा जाता है कि दल अपने कार्यकर्ताओं को संयमित करने के बजाय अप्रत्यक्ष रूप से उकसाने का काम करते हैं। हार के बाद आत्ममंथन के बजाय आरोप–प्रत्यारोप का दौर शुरू हो जाता है। इससे हिंसा की आग और भड़कती है। लोकतंत्र में सत्ता और विपक्ष दोनों की जिम्मेदारी होती है कि वे जनता को शांति, स्थिरता और विश्वास का संदेश दें, न कि टकराव और प्रतिशोध का। यह भी सत्य है कि केवल प्रशासनिक कार्रवाई से इस समस्या का समाधान नहीं हो सकता। जब तक राजनीतिक दल अपनी संस्कृति नहीं बदलते, तब तक कानून–व्यवस्था कितनी भी सख्त क्यों न हो, हिंसा की घटनाएं पूरी तरह समाप्त नहीं हो सकतीं। पुलिस और प्रशासन को राजनीतिक दबाव से मुक्त रखते हुए निष्पक्ष कार्रवाई करनी होगी, लेकिन उससे भी अधिक आवश्यक है राजनीतिक नैतिकता का पुनर्निर्माण।

राजनीति के अपराधीकरण पर नियंत्रण आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। ऐसे तत्व जो हिंसा, डर और अवैध गतिविधियों से जुड़े हैं, उन्हें राजनीति से दूर रखना होगा। राजनीतिक दलों को अपनी आंतरिक संरचना में सुधार लाना होगा और यह सुनिश्चित करना होगा कि उनके मंच से हिंसा या नफरत को बढ़ावा न मिले। इसके साथ ही समाज की भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। जब तक नागरिक स्वयं हिंसा को अस्वीकार नहीं करेंगे, तब तक राजनीतिक हिंसा पर पूर्ण रोक संभव नहीं है। शिक्षा व्यवस्था में लोकतांत्रिक मूल्यों, सहिष्णुता और संवाद की संस्कृति को मजबूत करना आवश्यक है। युवा पीढ़ी को यह समझाना होगा कि असहमति का समाधान हिंसा नहीं, बल्कि संवाद है।

भारत आज एक वैश्विक शक्ति बनने की ओर अग्रसर है। आर्थिक, तकनीकी और रणनीतिक क्षेत्र में देश तेजी से आगे बढ़ रहा है। ऐसे समय में आंतरिक अस्थिरता और राजनीतिक हिंसा हमारे विकास की गति को बाधित कर सकती है। यदि हम 2047 तक विकसित भारत का सपना देखते हैं, तो हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि हमारी राजनीति भी उतनी ही विकसित, नैतिक और शांतिपूर्ण हो।

भारत की सांस्कृतिक विरासत हमें बार–बार यह याद दिलाती है कि हमारी शक्ति हिंसा में नहीं, बल्कि करुणा और सह–अस्तित्व में है। गौतम बुद्ध, महावीर और गांधी की परंपरा हमें यही सिखाती है कि स्थायी समाधान केवल शांति और संवाद से ही संभव है। यदि हम इस दर्शन से भटक गए, तो लोकतंत्र केवल सत्ता संघर्ष बनकर रह जाएगा।

पश्चिम बंगाल की हिंसा एक चेतावनी है, जिसे अनदेखा नहीं किया जा सकता। यह केवल एक राज्य की समस्या नहीं, बल्कि पूरे देश के लोकतांत्रिक ढांचे के लिए एक संकेत है कि सुधार की आवश्यकता अब टाली नहीं जा सकती। समय आ गया है कि राजनीतिक दल आत्ममंथन करें, हिंसा की स्पष्ट निंदा करें और लोकतंत्र की गरिमा को पुनः स्थापित करें। अंततः यह समझना होगा कि लोकतंत्र की शक्ति उसकी सहनशीलता में निहित है, न कि उसकी आक्रामकता में। यदि हम वास्तव में एक मजबूत और विकसित राष्ट्र बनना चाहते हैं, तो हमें हिंसा की राजनीति को अस्वीकार कर शांति, संवाद और विकास की राजनीति को अपनाना होगा। यही समय की मांग है और यही लोकतंत्र की असली रक्षा भी।

युवराज-नव्यानायर का क्यूट मोमेंट वायरल

फैंस ने जोड़ी पर किए मजेदार कमेंट

यूनिक समय, नई दिल्ली। पूर्व भारतीय क्रिकेटर युवराज सिंह एक बार फिर सोशल मीडिया पर सुर्खियों में हैं, लेकिन इस बार वजह क्रिकेट नहीं बल्कि एक हल्का-फुल्का और मजेदार वीडियो है। यह वीडियो केरल में आयोजित एक कार्यक्रम का बताया जा रहा है, जहां युवराज सिंह साउथ फिल्म इंडस्ट्री की मशहूर अभिनेत्री नव्या नायर के साथ मंच पर नजर आए। दोनों का यह क्यूट मोमेंट कैमरे में कैद हो गया और देखते ही देखते सोशल मीडिया पर वायरल हो गया।

कार्यक्रम के दौरान मंच पर चारों ओर रंग-बिरंगे कॉन्फेटी उड़ रहे थे। इसी बीच एक कॉन्फेटी युवराज सिंह के कंधे पर आकर गिर गया, लेकिन उन्हें इसका एहसास नहीं हुआ। तभी नव्या नायर ने बिना किसी झिझक के आगे बढ़कर उनके कंधे से कॉन्फेटी हटा दिया। इस छोटे से पल ने फैंस का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। इसके बाद एक कॉन्फेटी नव्या के बालों पर भी गिरा, जिसे युवराज ने मुस्कुराते हुए हटाया। दोनों के बीच यह सहज और दोस्ताना बातचीत कैमरे में

रिकॉर्ड हो गई, जो अब इंटरनेट पर तेजी से फैल रही है। वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर फैंस ने मजेदार प्रतिक्रियाएं देना शुरू कर दिया। किसी ने दोनों की जोड़ी की तारीफ की तो किसी ने हल्के-फुल्के अंदाज में युवराज सिंह को ट्रोल कर दिया। एक यूजर ने लिखा कि "पाजी आज घर मत जाना, वरना फीलिंग सेट हो जाएगी।" वहीं कुछ फैंस ने इसे एक प्यारा और यादगार पल बताया और दोनों की केमिस्ट्री की सराहना की।

इस कार्यक्रम में नव्या नायर ने युवराज सिंह से एक बैट पर ऑटोग्राफ भी लिया। दोनों की तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर साझा की गईं, जिससे फैंस की उत्सुकता और बढ़ गई। नव्या नायर, जो साउथ फिल्म इंडस्ट्री की जानी-मानी अभिनेत्री हैं, एक प्रशिक्षित शास्त्रीय नृत्यांगना भी हैं और उन्होंने अपने करियर में कई सफल फिल्मों में काम किया है।

कॉन्फेटी हटाते ही वीडियो में दिखे

केरल कार्यक्रम में दिखी दोनों की केमिस्ट्री

सोशल मीडिया पर तेजी से हुआ वायरल

युवराज सिंह भले ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले चुके हों, लेकिन उनकी लोकप्रियता आज भी बरकरार है। कभी अपने शानदार क्रिकेट करियर के कारण तो कभी ऐसे वायरल वीडियो की वजह से वे लगातार चर्चा में बने रहते हैं। इस बार भी उनका यह हल्का-फुल्का वीडियो फैंस के बीच मनोरंजन का विषय बन गया है।

यह वीडियो भले ही कुछ सेकंड का हो, लेकिन इसने सोशल मीडिया पर बड़ी हलचल मचा दी है और एक बार फिर साबित कर दिया है कि युवराज सिंह की लोकप्रियता क्रिकेट मैदान के बाहर भी उतनी ही मजबूत है।

एल्विश यादव को मिली 10 करोड़ की धमकी

पुलिस में शिकायत दर्ज

यूनिक समय, नई दिल्ली। सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर और बिग बॉस ओटीटी 2 के विजेता एल्विश यादव को जान से मारने की धमकी मिलने का मामला सामने आया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, एल्विश यादव से विदेशी नंबर के जरिए 10 करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी गई है। धमकी देने वाले ने खुद को एक गैंग से जुड़ा बताया और पैसे न देने पर गोली मारने की चेतावनी दी।

एल्विश को यह मैसेज 5 मई को मिला था, जिसमें दो दिन के भीतर रकम देने की मांग की गई। इसके बाद यही मैसेज उनके पिता के मोबाइल पर भी भेजा गया। मामले को गंभीरता से लेते हुए एल्विश ने सेक्टर-56 थाने में शिकायत दर्ज करवाई, जिसके आधार पर पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। एल्विश यादव सोशल मीडिया पर काफी लोकप्रिय हैं और इन दिनों 'लाफ्टर शेफ' शो में भी नजर आ रहे हैं। उनकी बढ़ती लोकप्रियता के बीच मिली इस धमकी ने सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है।

विजय के शपथ ग्रहण में तृषा का भावुक अंदाज वायरल

यूनिक समय, नई दिल्ली। तमिलनाडु के नए मुख्यमंत्री थलापति विजय के शपथ ग्रहण समारोह में साउथ अभिनेत्री तृषा कृष्णन की मौजूदगी ने सभी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। चेन्नई के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित इस भव्य समारोह में तृषा फिरोजी रंग की सिल्क साड़ी और क्रीम ब्लाउज में बेहद आकर्षक और पारंपरिक अंदाज में नजर आईं। जैसे ही वह काय क्रम स्थल पर पहुंचीं, वहां मौजूद लोगों में उत्साह और बढ़ गया।

तृषा के चेहरे पर इस खास मौके की खुशी साफ झलक रही थी। उन्होंने न सिर्फ विजय के परिवार से मुलाकात की, बल्कि उनकी मां शोभा चंद्रशेखर को गले लगाकर अपने भाव व्यक्त किए।

इसके साथ ही उन्होंने विजय की मां के पैर छूकर आशीर्वाद भी लिया, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया है। समारोह के दौरान तृषा और विजय के परिवार के बीच गर्मजोशी भरा माहौल देखने को मिला। तृषा ने विजय की बहन विद्या से भी मुलाकात की और पूरे कार्यक्रम में बेहद सहज और खुश नजर आईं। फैंस ने इस पल को सोशल मीडिया पर खूब सराहा और कई लोगों ने लिखा कि तृषा के चेहरे पर अपने करीबी को इतनी बड़ी सफलता हासिल करते देख गर्व और खुशी दोनों साफ नजर आ रहे थे।

इस अवसर पर तृषा का पारंपरिक लुक भी चर्चा का विषय बना रहा। उन्होंने बालों में चमेली का गजरा लगाया था और हल्के मेकअप के साथ बेहद सादगी भरा रूप अपनाया, जो उनके व्यक्तित्व को और निखार रहा था। हालांकि, विजय और तृषा के रिश्ते को लेकर पिछले कुछ समय से लगातार अटकलें लगाई जा रही हैं, लेकिन दोनों ने अभी तक किसी भी तरह की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। इसके बावजूद इस समारोह में उनकी मौजूदगी और परिवार के साथ उनके व्यवहार ने एक बार फिर फैंस के बीच चर्चा को तेज कर दिया है। यह शपथ ग्रहण समारोह केवल राजनीतिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि भावनात्मक और व्यक्तिगत जुड़ाव के कारण भी सुर्खियों में बना हुआ है।

वेनिस में राधिका अंबानी का रॉयल फैशन लुक वायरल

यूनिक समय, नई दिल्ली। राधिका अंबानी एक बार फिर अपने शानदार फैशन स्टाइल को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में वेनिस बिएनाले के खास इवेंट में उनका रॉयल अंदाज सोशल मीडिया पर छा गया। इस अवसर पर राधिका ने पेस्टल ब्लू रंग का खूबसूरत गिवेंची हाउट कूट्योर आउटफिट पहना, जिसमें साड़ी और गाउन का अनोखा फ्यूजन देखने को मिला। उनकी ड्रेस पर सिल्वर एम्ब्रॉयडरी और बारीक स्टोन वर्क ने पूरे लुक को बेहद एलिगेंट बना दिया। मैचिंग ग्लव्स और सिल्वर ईयररिंग्स ने उनके विंटेज स्टाइल को और खास बना दिया। राधिका ने हाई पोनीटेल हेयरस्टाइल और सॉफ्ट मेकअप के साथ अपने लुक को क्लासी टच दिया। वेनिस के खूबसूरत वॉटरफ्रंट पर क्लिक हुई उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं। फैशन प्रेमियों ने उनके इस लुक की जमकर तारीफ की है। कई लोगों ने उनके अंदाज को पुराने हॉलीवुड और भारतीय रॉयल फैशन का शानदार मेल बताया।

वैभव सूर्यवंशी का मदर्स डे पर वायरल हुआ संदेश

इंस्टाग्राम पर लिखा-ये आपके लिए है, मां

यूनिक समय, नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में अपनी तूफानी बल्लेबाजी से सबका ध्यान खींचने वाले 15 वर्षीय राजस्थान रॉयल्स के ओपनर वैभव सूर्यवंशी एक बार फिर सुर्खियों में हैं। इस बार कारण उनका खेल नहीं, बल्कि मदर्स डे पर मां के लिए लिखा गया भावुक संदेश है, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया है। उनके इस पोस्ट ने फैंस के दिलों को छू लिया और हर किसी ने उनके इस सादे लेकिन भावनात्मक अंदाज की तारीफ की।

गुजरात टाइटन्स के खिलाफ मैच से पहले वैभव ने इंस्टाग्राम पर लिखा-"ये आपके लिए है, मां।" यह छोटा सा संदेश उनकी मां के प्रति गहरे सम्मान और प्यार को दर्शाता है। राजस्थान रॉयल्स ने भी इस मौके पर अपने खिलाड़ियों का एक वीडियो साझा किया, जिसमें वे अपनी मां को शुभकामनाएं देते नजर आए। टीम ने इस मैच में अपनी खास "पिंक प्रॉमिस"

पहल के तहत ऑल-पिंक जर्सी पहनकर मैदान में उतरने का निर्णय लिया, जिसका उद्देश्य ग्रामीण राजस्थान में महिलाओं के नेतृत्व में सामाजिक बदलाव और सतत विकास को बढ़ावा देना है। मैदान के अंदर भी वैभव सूर्यवंशी का प्रदर्शन शानदार रहा। उन्होंने गुजरात टाइटन्स के खिलाफ आक्रामक शुरुआत करते हुए मोहम्मद सिराज की गेंद पर पहली ही गेंद को लॉन्ग ऑन के ऊपर छक्के के लिए भेज दिया। पावरप्ले में उन्होंने बेखौफ अंदाज में बल्लेबाजी की और केवल 16 गेंदों में 36 रन बना दिए, जिसमें कई चौके और छक्के शामिल थे। हालांकि बाद में वह आउट हो गए, लेकिन उनकी बल्लेबाजी ने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया।

इस सीजन में वैभव सूर्यवंशी राजस्थान रॉयल्स के सबसे प्रभावशाली बल्लेबाजों में से एक बनकर उभरे हैं। उन्होंने 11 पारियों में 440 रन बनाए हैं, जिसमें उनका औसत 40 और स्ट्राइक रेट 236 से अधिक रहा है। उनके नाम एक शतक और दो अर्धशतक भी दर्ज हैं, जो उनकी आक्रामक और निडर बल्लेबाजी को दर्शाते हैं।

इसके साथ ही वैभव ने टी20 क्रिकेट में सबसे कम उम्र में 100 छक्के लगाने का रिकॉर्ड भी अपने नाम किया है। उन्होंने यह उपलब्धि सिर्फ 29 पारियों में हासिल की, जो उनके असाधारण टैलेंट को दर्शाती है।

मदर्स डे पर उनका यह भावुक पोस्ट और मैदान पर उनका शानदार प्रदर्शन दोनों ही मिलकर उन्हें इस समय क्रिकेट जगत के सबसे चर्चित युवा खिलाड़ियों में शामिल कर रहे हैं। उनकी सादगी, प्रतिभा और परिवार के प्रति सम्मान उन्हें एक अलग पहचान दिला रहे हैं।

50 लाख की गुजराती फिल्म ने कमाए 100 करोड़ रुपये

यूनिक समय, नई दिल्ली। सिनेमा जगत में अक्सर बड़े बजट और स्टार पावर वाली फिल्मों की चर्चा होती है, लेकिन साल 2025 में आई गुजराती फिल्म 'लालोः कृष्ण सदा सहायते' ने यह साबित कर दिया कि शानदार कहानी ही असली ताकत होती है। केवल 50 लाख रुपये के बजट में बनी इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई कर सभी को चौंका दिया। करीब 2 घंटे 15 मिनट लंबी इस फिल्म का निर्देशन अंकित सखिया ने किया था। रिलीज से पहले फिल्म का ज्यादा प्रमोशन नहीं हुआ, लेकिन सिनेमाघरों में आने के बाद दर्शकों की शानदार प्रतिक्रिया और सोशल मीडिया पर मिले पॉजिटिव रिव्यू ने इसे सरप्राइज हिट बना दिया। फिल्म ने लगातार 104 दिनों तक सिनेमाघरों में अपनी पकड़ बनाए रखी। फिल्म की कहानी एक रिक्शा चालक के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपने अतीत से संघर्ष करते हुए भगवान कृष्ण से जुड़ी आध्यात्मिक यात्रा पर निकलता है। भावनात्मक और प्रेरणादायक कहानी ने दर्शकों का दिल जीत लिया। आईएमडीबी पर इस फिल्म को 8.2 की शानदार रेटिंग मिली है। फिल्म में श्रुहद गोस्वामी, रीवा रच्छ, करण जोशी और मिष्टी कडेचा मुख्य भूमिकाओं में नजर आए। अब यह फिल्म हिंदी भाषा में भी ओटीटी प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध है।

योगी मंत्रिमंडल विस्तार में सात नए चेहरों की एंट्री

भूपेंद्र चौधरी और मनोज पांडेय ने ली कैबिनेट मंत्री पद की शपथ

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने रविवार को अपने दूसरे मंत्रिमंडल विस्तार के जरिए राजनीतिक और सामाजिक समीकरण साधने की कोशिश की। राजधानी लखनऊस्थित राजभवन में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में सात नेताओं को मंत्री पद की शपथ दिलाई गई। समारोह की शुरुआत भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी के शपथ ग्रहण से हुई। उन्हें कैबिनेट मंत्री बनाया गया है।

इसके बाद समाजवादी पार्टी से बगावत कर भाजपा के करीब आए विधायक मनोज पांडेय ने कैबिनेट मंत्री पद की शपथ ली। वहीं अजीत सिंह पाल, सोमेंद्र तोमर, कृष्णा पासवान, कैलाश राजपूत, सुरेंद्र दिलेर और हंसराज विश्वकर्मा को राज्यमंत्री बनाया गया। समारोह के दौरान राजभवन परिसर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम रहे और आने–जाने वाले वाहनों की सघन जांच की गई।

नए मंत्रियों में विभिन्न जातीय और सामाजिक वर्गों को प्रतिनिधित्व देने की कोशिश साफ दिखाई दी। मंत्रिमंडल में शामिल चेहरों में एक ब्राह्मण, तीन ओबीसी और दो दलित वर्ग से हैं। भाजपा नेतृत्व इसे 2027 विधानसभा चुनाव से पहले सामाजिक संतुलन मजबूत करने की रणनीति के तौर पर देख रहा है।

अजीत सिंह पाल और सोमेंद्र तोमर को प्रमोशन मिला है। दोनों पहले राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार के रूप में कार्य कर रहे थे। भाजपा एमएलसी हंसराज विश्वकर्मा शपथ ग्रहण से पहले बैंड–बाजे के साथ अपने आवास से राजभवन पहुंचे, जो चर्चा का विषय बना रहा।

सूत्रों के अनुसार, भूपेंद्र चौधरी को लोक निर्माण विभाग दिए जाने की चर्चा है। केंद्रीय राजनीति में जितिन प्रसाद की सक्रियता बढ़ने के बाद यह विभाग मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के पास ही था।

शनिवार शाम मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्यपाल आनंदीबेन पटेल से मुलाकात कर नए मंत्रियों की सूची सौंपी थी। करीब 45 मिनट चली इस बैठक के बाद मंत्रिमंडल विस्तार पर मुहर लगी।

वर्तमान में मुख्यमंत्री सहित योगी सरकार में कुल 54 मंत्री थे और छह पद खाली चल रहे थे। इससे पहले मार्च 2024 में लोकसभा चुनाव से ठीक पहले पहला मंत्रिमंडल विस्तार किया गया था। भाजपा नेताओं ने इस विस्तार को सरकार को और मजबूत बनाने वाला कदम बताया है।

सामाजिक और क्षेत्रीय संतुलन साधने पर भाजपा का जोर

चलती ट्रेन में युवक की गोली मारकर हत्या

कनपटी पर तमंचा सटाकर बदमाशों ने मारी गोली

शव को ट्रेन से फेंक आरोपी अंधेरे में फरार

यूनिक समय, चंदौली। उत्तर प्रदेश के चंदौली जिले में चलती पैसेंजर ट्रेन में हुई सनसनीखेज हत्या से यात्रियों में दहशत फैल गई। पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन से ताड़ीघाट जा रही पैसेंजर ट्रेन में दो बदमाशों ने एक युवक की कनपटी पर तमंचा सटाकर गोली मार दी। वारदात के बाद आरोपी युवक का शव चलती ट्रेन से नीचे फेंककर फरार हो गए।

घटना रविवार सुबह सदर कोतवाली क्षेत्र के इब्राहिमपुर गांव के पास हुई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ट्रेन में सफर कर रहे यात्रियों को पहले हल्की कहासुनी की आवाज सुनाई दी। इसके कुछ ही देर बाद अचानक गोली चलने की तेज आवाज से पूरा डिब्बा दहल उठा। युवक सीट के पास खून से लथपथ होकर गिर पड़ा। इससे पहले कि यात्री कुछ समझ पाते, बदमाशों ने शव को ट्रेन से बाहर फेंक दिया।

बताया जा रहा है कि दोनों आरोपी पिट्ठू बैग लेकर पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन से ट्रेन में सवार हुए थे। सकलडीहा क्षेत्र के ताजपुर गांव के पास ट्रेन की रफ्तार धीमी होते ही दोनों नीचे कूदकर फरार हो गए। घटना के बाद डिब्बे में अफरा–तफरी मच गई और यात्री भयभीत हो उठे।

सूचना मिलने पर जीआरपी, आरपीएफ, चंदौली कोतवाली और सकलडीहा थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। रेलवे ट्रैक के किनारे युवक का शव बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। समाचार लिखे जाने तक मृतक की पहचान नहीं हो सकी थी। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है और यात्रियों से पूछताछ कर रही है। अधिकारियों के अनुसार, हत्या के पीछे पुरानी रंजिश, लूट या अन्य कारणों की जांच की जा रही है। घटना ने रेलवे सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

गंगा एक्सप्रेसवे पर दर्दनाक हादसे में तीन की मौत

यूनिक समय, हापुड़। उत्तर प्रदेश के हापुड़ जिले में गंगा एक्सप्रेसवे पर रविवार तड़के दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। बहादुरगढ़ थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार कैंटर अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गया। हादसे में दो महिलाओं और आठ माह के मासूम बच्चे की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

जानकारी के अनुसार, हादसा तड़के करीब तीन बजे गांव जखेड़ा रहमत के पास हुआ। बरेली से लुधियाना जा रहा कैंटर अचानक बेकाबू होकर डिवाइडर से जा टकराया। टक्कर इतनी भीषण थी कि वाहन का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा–तफरी और चीख–पुकार मच गई।

सूचना मिलते ही बहादुरगढ़ थाना पुलिस मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू कराया। घायलों को वाहन से बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया। मृतकों की पहचान हरदोई निवासी श्रीदेवी, उनके आठ माह के बेटे अभिजीत और बरेली निवासी सावित्री देवी के रूप में हुई है।

पुलिस के मुताबिक, प्रारंभिक जांच में चालक को झपकी आने या तेज रफ्तार हादसे का कारण माना जा रहा है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

डिवाइडर से टकराया कैंटर, मची चीख–पुकार

दो महिलाएं और आठ माह के मासूम ने गंवाई जान

एंबुलेंस की टक्कर से ऑटो के उड़े परखच्चे

भीषण सड़क हादसे में पिता–पुत्र की दर्दनाक मौत

यूनिक समय, आगरा। आगरा के बोदला–अछनेरा रोड पर रविवार सुबह भीषण सड़क हादसा हो गया। थाना जगदीशपुरा क्षेत्र के कस्बा बिचपुरी स्थित शनिदेव मंदिर के पास तेज रफ्तार एंबुलेंस ने ऑटो में जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भयानक था कि ऑटो के परखच्चे उड़ गए और मौके पर चीख–पुकार मच गई।

दुर्घटना में पिता और पुत्र की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि परिवार के तीन अन्य सदस्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद एंबुलेंस चालक वाहन लेकर मौके से फरार हो गया।

पुलिस के अनुसार, मृतकों की पहचान नेमसिंह (36) और उनके बेटे शिवम (14) के रूप में हुई है। वहीं कांता, निखिल और प्रशांत घायल हुए हैं, जिन्हें उपचार के लिए एसएन मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

बताया गया है कि सभी लोग एक ही परिवार के सदस्य थे और ऑटो में सवार होकर जा रहे थे। मृतक मूल रूप से सदरवन गांव के निवासी थे और वर्तमान में दिल्ली में रह रहे थे। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

एक ही परिवार के तीन सदस्य गंभीर घायल

जमीन के लालच में भाई बना भाई का कातिल

चाकू से गोदकर हत्या, गड्ढे में दफनाया शव

पुलिस संग तलाश का नाटक करता रहा आरोपी

यूनिक समय, आगरा। आगरा के मलपुरा थाना क्षेत्र में जमीन विवाद ने रिश्तों को शर्मसार कर दिया। गांव बाईंखेड़ा में एक युवक ने चकरोड किनारे की जमीन के लालच में अपने ही भाई की चाकू से गोदकर हत्या कर दी। आरोपी ने शव को बिस्तर में लपेटकर गांव से दूर नहर किनारे 10 फीट गहरे गड्ढे में दफना दिया और खुद पुलिस व ग्रामीणों के साथ तलाश का नाटक करता रहा। मृतक की पहचान अनीत उर्फ गणेशी (30) के रूप में हुई है। वह गुरुवार रात खेत पर सोने गया था, लेकिन सुबह गायब मिला। खेत में खून के निशान और खून से सने पत्थर मिलने पर परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। करीब 36 घंटे तक पुलिस और ग्रामीण उसकी तलाश करते रहे।

शनिवार शाम गंगाजल पाइपलाइन के पास कुत्तों और मक्खियों की गतिविधि देखकर ग्रामीणों को शक हुआ। मिट्टी हटाने पर गड्ढे से बिस्तर में लिपटा शव बरामद हुआ। पुलिस ने मृतक के भाई मनीष को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उसने हत्या कबूल कर ली। आरोपी ने बताया कि चकरोड किनारे 15 बिस्वा जमीन को लेकर दोनों भाइयों में विवाद चल रहा था।

अखिलेश का योगी सरकार पर बड़ा हमला

कैबिनेट विस्तार को लेकर भाजपा पर उठाए सवाल

यूनिक समय, लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश में होने वाले मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर योगी सरकार पर तीखा हमला बोला है।

उन्होंने कहा कि जब सरकार नौ वर्षों में प्रदेश की तस्वीर नहीं बदल सकी, तो अब आखिरी नौ महीनों में नए मंत्री आखिर क्या कर लेंगे। अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर बयान जारी करते हुए भाजपा सरकार के कामकाज पर सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि प्रदेश मंत्रिमंडल में केवल छह रिक्तियां हैं, जबकि दूसरी पार्टियों से आए नेताओं की संख्या इससे कहीं अधिक है। ऐसे में मंत्री पद किस आधार पर दिया जाएगा और बाकी नेताओं का क्या होगा, यह जनता जानना चाहती है।

उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि भाजपा अपने सहयोगियों और दल–बदल कर आए नेताओं की भी सगी नहीं है। सपा प्रमुख ने यह भी कहा कि जिन मंत्रियों के विभाग कम किए जाएंगे, उससे जनता में उनकी नाकामी का संदेश जाएगा। अखिलेश ने सरकार पर भ्रष्टाचार, अत्याचार, महंगाई और बेरोजगारी बढ़ाने का आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा सरकार ने प्रदेश की जनता को केवल परेशानियां दी हैं।

नौ साल के कामकाज पर सपा प्रमुख ने घेरा

गैस संकट के बीच नए एलपीजी कनेक्शन पर रोक

यूनिक समय, आगरा। एलपीजी सिलेंडर की लगातार बढ़ती किल्लत के बीच आगरा में नए घरेलू गैस कनेक्शन जारी करने पर रोक लगा दी गई है। अब केवल पुराने कनेक्शन ही निर्धारित प्रक्रिया के तहत स्थानांतरित किए जा सकेंगे। गैस एजेंसियों और तेल कंपनियों ने आपूर्ति संकट को देखते हुए यह फैसला लिया है।

जिले में करीब 88 गैस एजेंसियां संचालित हैं और लगभग 13 लाख उपभोक्ता एलपीजी सेवा का लाभ ले रहे हैं। पिछले कुछ समय से गैस सिलेंडरों की भारी कमी बनी हुई है। बताया जा रहा है कि अंतरराष्ट्रीय हालात और ईरान–अमेरिका तनाव के कारण गैस आपूर्ति प्रभावित हुई है, जिससे घरेलू और व्यावसायिक दोनों श्रेणियों में बैकलॉग बढ़ गया। जिला पूर्ति अधिकारी आनंद कुमार ने बताया कि फिलहाल नए गैस कनेक्शन जारी नहीं किए जा रहे हैं। जिन उपभोक्ताओं के परिवार में किसी सदस्य की मृत्यु हो गई है, उनके कनेक्शन रक्त संबंधियों के नाम स्थानांतरित किए जा सकते हैं। इसके लिए निर्धारित जमानत राशि जमा करनी होगी और आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने होंगे। वहीं सरकार ने अधिक आय वाले उपभोक्ताओं पर भी सख्ती शुरू कर दी है। जिन परिवारों की वार्षिक आय 10 लाख रुपये से अधिक है, उन्हें अब एलपीजी सब्सिडी नहीं मिलेगी। वर्तमान में उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को प्रति सिलेंडर 350 रुपये तक की सब्सिडी मिल रही है, जबकि सामान्य घरेलू उपभोक्ताओं को करीब 12 रुपये की राहत दी जाती है। गैस किल्लत के कारण शहर में उपभोक्ताओं की परेशानियां लगातार बढ़ रही हैं। कई इलाकों में समय पर सिलेंडर नहीं पहुंचने से लोगों को लंबा इंतजार करना पड़ रहा है।

आगरा में सिलेंडर किल्लत से बढ़ी उपभोक्ताओं की परेशानी

10 लाख से अधिक आय वालों की सब्सिडी होगी बंद

तमिलनाडु में विजय युग का आगाज

मुख्यमंत्री बनते ही थलापति विजय ने लिए तीन बड़े फैसले

यूनिक समय, नई दिल्ली। तमिलनाडु में रविवार को नई राजनीतिक पारी की शुरुआत हो गई। तमिलगा वेत्री कझगम प्रमुख सी. जोसेफ विजय ने चेन्नई के जवाहरलाल नेहरू इंडोर स्टेडियम में राज्य के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी समेत कई बड़े नेता और फिल्मी हस्तियां मौजूद रहीं।

विजय ने सरकार बनाने के लिए 121 विधायकों का समर्थन जुटाया। बहुमत के लिए 118 विधायकों की जरूरत थी। तमिलगा वेत्री कझगम के 108 विधायकों के अलावा कांग्रेस, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी, विदुथलाई चिरुथिगल काची और इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग ने भी समर्थन दिया। समर्थन पत्र मिलने के बाद राज्यपाल ने विजय को सरकार बनाने का न्योता दिया।

शपथ ग्रहण समारोह से पहले स्टेडियम में 'वंदे मातरम' और राष्ट्रगान गाया गया। विजय सफेद शर्ट और काली पैंट में समारोह स्थल पहुंचे। उनके माता–पिता एस.ए. चंद्रशेखर और शोभा चंद्रशेखर भी कार्यक्रम में मौजूद रहे। अभिनेत्री तृषा कृष्णन की मौजूदगी भी चर्चा में रही।

विजय के साथ नौ मंत्रियों ने भी शपथ ली। इनमें के.ए. सेंगोत्तैयान, अधव अर्जुना, एन. आनंद, अरुण राज, निर्मल कुमार, राजमोहन, पी. वेंकटरमणन, डॉ. टी.के. प्रभु और एस. कीर्तना शामिल हैं। विजय ने गृह, पुलिस और लोक प्रशासन विभाग अपने पास रखे हैं। मुख्यमंत्री बनते ही विजय ने तीन बड़े आदेशों पर हस्ताक्षर किए। उन्होंने 200 यूनिट मुफ्त बिजली देने, महिला सुरक्षा के लिए विशेष कार्यबल बनाने और नशीले पदार्थों की तस्करी रोकने के निर्देश जारी किए।

तमिलनाडु की राजनीति में यह बदलाव ऐतिहासिक माना जा रहा है। 1967 के बाद पहली बार राज्य में द्रविड़ मुनेत्र कषगम और अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम से अलग किसी दल का मुख्यमंत्री बना है। चुनाव परिणाम आने के बाद कई दिनों तक चले राजनीतिक घटनाक्रम के बाद आखिरकार विजय के मुख्यमंत्री बनने का रास्ता साफ हुआ। प्रधानमंत्री मोदी ने सामाजिक मंच 'एक्स' पर संदेश साझा करते हुए विजय के सफल कार्यकाल की कामना की। उन्होंने लिखा कि तमिलनाडु के लोगों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए केंद्र सरकार राज्य के साथ हर संभव सहयोग करेगी। इस संदेश को केंद्र और नई राज्य सरकार के बीच सकारात्मक संबंधों की शुरुआत के रूप में देखा जा रहा है।

विजय सरकार को पीएम मोदी का समर्थन मिला

नौ मंत्रियों ने भी मुख्यमंत्री संग ली शपथ

200 यूनिट मुफ्त बिजली देने का बड़ा ऐलान

नशा तस्करी रोकने को विशेष बल गठन फैसला

राहुल गांधी समेत कई दिग्गज समारोह में पहुंचे

शुभेंदु अधिकारी के पीए हत्याकांड में धनबाद कनेक्शन उजागर

यूनिक समय, नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के निजी सहायक चंद्रनाथ रथ की हत्या मामले में अब झारखंड के धनबाद से जुड़ा अहम कनेक्शन सामने आया है। इस हाई प्रोफाइल हत्याकांड की जांच कर रही पश्चिम बंगाल पुलिस की विशेष जांच टीम ने धनबाद पहुंचकर मामले में बड़ा खुलासा किया है। जांच में पता चला कि अपराधियों ने वारदात में इस्तेमाल की गई बाइक पर फर्जी नंबर प्लेट लगाई थी, जो धनबाद के एक कर्मचारी की बाइक से जुड़ी निकली।

जानकारी के अनुसार, हत्या के बाद जांच एजेंसियों को जिस बाइक का नंबर मिला, वह झारखंड के धनबाद में रहने वाले विभाष भट्टाचार्य के नाम पर रजिस्टर्ड पाया गया। इसके बाद एसआईटी टीम तुरंत धनबाद पहुंची और पाथरडीह थाना क्षेत्र में जांच शुरू की। पुलिस ने कई घंटों तक पूछताछ की और संबंधित बाइक की जांच की।

जांच के दौरान यह स्पष्ट हुआ कि विभाष भट्टाचार्य का इस हत्या से कोई सीधा संबंध नहीं है। घटना के समय वह अपने कार्यालय में मौजूद थे, जिसकी पुष्टि सीसीटीवी फुटेज से भी हो गई। इसके बाद जांच एजेंसियों ने उन्हें क्लीन चिट दे दी। अधिकारियों के अनुसार, अपराधियों ने उनकी बाइक का नंबर चोरी कर दूसरी बाइक पर लगा लिया था, ताकि पुलिस को भ्रमित किया जा सके।

बताया जा रहा है कि जिस बाइक का उपयोग हत्या में किया गया, उसका मॉडल और रंग भी विभाष की बाइक से अलग था। इससे यह साफ हो गया कि अपराधियों ने योजनाबद्ध तरीके से नकली नंबर प्लेट का इस्तेमाल किया था। पुलिस अब यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि अपराधियों तक यह नंबर कैसे पहुंचा और इसके पीछे कौन लोग शामिल हैं।

चंद्रनाथ रथ की हत्या चुनाव परिणामों के तुरंत बाद हुई थी, जिसके कारण यह मामला राजनीतिक रूप से भी बेहद संवेदनशील बन गया है। इस घटना के बाद पश्चिम बंगाल की राजनीति में तनाव का माहौल देखने को मिला और विभिन्न दलों ने कानून व्यवस्था को लेकर सवाल उठाए।

एसआईटी अब तकनीकी साक्ष्यों और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच कई दिशाओं में की जा रही है और जल्द ही इस हत्याकांड से जुड़े अन्य महत्वपूर्ण खुलासे सामने आ सकते हैं।

यह मामला केवल एक हत्या तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि इसमें अंतरराज्यीय कनेक्शन और सुनियोजित साजिश की आशंका भी गहराती जा रही है।

असम में फिर हिमंत सरमा के हाथ सत्ता

यूनिक समय, नई दिल्ली। असम में भाजपा नेता हिमंत बिस्व सरमा को सर्वसम्मति से एनडीए विधायक दल का नेता चुन लिया गया है। इसके साथ ही उनके लगातार दूसरी बार मुख्यमंत्री बनने का रास्ता साफ हो गया है। वह 12 मई को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे।

गुवाहाटी में आयोजित विधायक दल की बैठक में भाजपा, असम गण परिषद और बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट के नेताओं ने सरमा के नाम का समर्थन किया। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी बैठक में पर्यवेक्षक के रूप में मौजूद रहे। सभी दलों की सहमति के बाद हिमंत सरमा को नेता चुना गया।

इसके बाद हिमंत बिस्व सरमा ने एनडीए नेताओं के साथ राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य से मुलाकात कर सरकार बनाने का दावा पेश किया। असम विधानसभा चुनाव में भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो–तिहाई बहुमत हासिल किया है। 126 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा को 82 सीटें मिलीं, जबकि सहयोगी दलों एजीपी और बीपीएफ ने 10–10 सीटें जीतीं।

12 मई को लेंगे सीएम पद की शपथ

प्रधानमंत्री मोदी रहेंगे शपथ समारोह के मुख्य अतिथि

हिमाचल बोर्ड दसवीं के परिणाम में बेटियों का दबदबा

यूनिक समय, नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड ने कक्षा 10वीं का परीक्षा परिणाम जारी कर दिया है। इस वर्ष 83.87 प्रतिशत विद्यार्थी परीक्षा में सफल हुए हैं, जो पिछले वर्ष की तुलना में 4.79 फीसदी अधिक है। परिणाम घोषित होने के साथ ही 93 हजार से ज्यादा विद्यार्थियों का इंतजार खत्म हो गया। इस बार मेरिट सूची में छात्राओं का शानदार प्रदर्शन देखने को मिला। कांगड़ा की अनमोल ने 699 अंक हासिल कर पूरे प्रदेश में पहला स्थान प्राप्त किया। दूसरे स्थान पर ऊना के अभिनव मेहता, बिलासपुर की पूर्णिमा शर्मा और ऊना की रूहानी धीमान संयुक्त रूप से रहे। वहीं तीसरे स्थान पर हमीरपुर की अश्विका शर्मा और मंडी की अलीशा ठाकुर ने जगह बनाई। बोर्ड ने इस बार ड्यूल परीक्षा प्रणाली के तहत अस्थायी मेरिट सूची जारी की है। मई–जून में दोबारा परीक्षा का अवसर भी दिया जाएगा, जिससे असंतुष्ट या दो विषयों में असफल विद्यार्थी अपने अंक सुधार सकेंगे। प्रदेशभर में उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन के लिए 41 केंद्र बनाए गए थे, जहां करीब 5 हजार शिक्षकों ने जांच कार्य पूरा किया। परिणाम आने के बाद विद्यार्थियों और अभिभावकों में खुशी का माहौल देखने को मिला।

पिछले साल से बढ़ा छात्रों का उत्तीर्ण प्रतिशत

टॉप तीन रैंक में छह विद्यार्थी शामिल

पाकिस्तान में पुलिस चौकी पर बड़ा आतंकी हमला

यूनिक समय, नई दिल्ली। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के बन्नू जिले में शनिवार को बड़ा आतंकी हमला हुआ। आतंकियों ने पहले विस्फोटकों से भरी कार से पुलिस चौकी के मुख्य गेट को उड़ा दिया, फिर सुरक्षाकर्मियों पर ताबड़तोड़ गोलीबारी शुरू कर दी। धमाका इतना जबरदस्त था कि पूरी चौकी क्षतिग्रस्त हो गई और इलाके में अफरा–तफरी मच गई।

प्रारंभिक रिपोर्ट्स के अनुसार, हमले में कम से कम 15 पुलिसकर्मियों के मारे जाने की आशंका जताई जा रही है, हालांकि आधिकारिक तौर पर अब तक तीन जवानों की मौत की पुष्टि हुई है। कई पुलिसकर्मियों के मलबे में दबे होने की संभावना है। राहत और बचाव अभियान लगातार जारी है। घटना के बाद आसपास के इलाकों में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। बताया जा रहा है कि हमले में आत्मघाती हमलावर भी शामिल था, जिसने विस्फोटकों से भरी गाड़ी को चौकी के पास उड़ा दिया। इसके बाद आतंकियों ने घात लगाकर पुलिस टीम पर हमला किया।

नेपाल सीमा पर भारतीयों के लिए नियम सख्त

यूनिक समय, नई दिल्ली। नेपाल सरकार ने भारतीय नागरिकों के प्रवेश को लेकर नया नियम लागू कर दिया है। अब नेपाल में प्रवेश करने के लिए भारतीयों को वैध पहचान पत्र दिखाना अनिवार्य होगा। नए आदेश के लागू होते ही भारत–नेपाल सीमा पर सुरक्षा जांच बढ़ा दी गई, जिससे कई जगह लंबी कतारें लग गईं। जोगबनी सीमा सहित कई सीमावर्ती इलाकों में नेपाल पुलिस और सशस्त्र सीमा बल हर यात्री की जांच कर रहे हैं। जिन लोगों के पास पहचान पत्र नहीं हैं, उन्हें सीमा से वापस लौटाया जा रहा है। इससे व्यापारियों, मरीजों और पर्यटकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

नेपाल प्रशासन ने हाल के दिनों में बढ़ती सुरक्षा चिंताओं और अवैध घुसपैठ की घटनाओं को देखते हुए यह कदम उठाया है। कुछ दिन पहले एक चीनी नागरिक के बिना वैध दस्तावेज भारत में प्रवेश करने के मामले के बाद सुरक्षा एजेंसियां और सतर्क हो गई हैं।

सीमावर्ती जिलों में पुलिस और सुरक्षा बलों को हाई अलर्ट पर रखा गया है तथा होटलों और लॉज की जांच भी तेज कर दी गई है।

लश्कर अब महिलाओं को बना रहा हथियार

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारत के पूर्व रॉ एजेंट और एनएसजी कमांडो लकी बिष्ट के एक दावे ने सुरक्षा एजेंसियों और सोशल मीडिया पर हलचल बढ़ा दी है। लकी बिष्ट ने आरोप लगाया है कि पाकिस्तान समर्थित आतंकी संगठन लश्कर–ए–तैयबा अब महिलाओं का इस्तेमाल "राजनीतिक ढाल" और नैरेटिव बदलने के हथियार के रूप में कर रहा है।

उन्होंने सामाजिक मंच 'एक्स' पर पोस्ट और वीडियो साझा करते हुए दावा किया कि लाहौर स्थित आतंकी कमांडर पश्चिमी मीडिया को प्रभावित करने के लिए नई रणनीति अपना रहे हैं। बिष्ट के अनुसार यह सिर्फ संयोग नहीं, बल्कि आतंकी नेटवर्क की सुनियोजित रणनीति है। उन्होंने पाकिस्तान सेना और सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर पर भी गंभीर आरोप लगाए।

पूर्व रॉ एजेंट ने कहा कि इस तरह की गतिविधियां बिना संस्थागत समर्थन के संभव नहीं हैं। उनके मुताबिक, पाकिस्तान "स्टेट–प्रॉक्सी नेटवर्क" के जरिए वैश्विक मंच पर अपनी छवि सुधारने और आतंकी संगठनों के प्रति सहानुभूति पैदा करने की कोशिश कर रहा है।

हालांकि साझा किए गए वीडियो की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन इस दावे के बाद सुरक्षा और रणनीतिक मामलों पर नई बहस शुरू हो गई है।

पूर्व रॉ एजेंट के बयान से मचा हड़कंप

जिला अस्पताल में आग से बचाव को मॉकड्रिल

अस्पताल कर्मियों ने सीखी सुरक्षा

यूनिक समय, मथुरा। जिला अस्पताल में अग्निशम विभाग ने फायर सेफ्टी मॉक ड्रिल का आयोजन किया। मॉक ड्रिल का उद्देश्य आग लगने की स्थिति में घबराहट से बचने और हादसों को गंभीर होने से रोकने के लिए अस्पताल स्टाफ को प्रशिक्षित करना था।

मॉक ड्रिल के दौरान अग्निशमन अधिकारियों ने अस्पताल स्टाफ को आग से बचाव के व्यवहारिक तरीके समझाए। अधिकारियों ने बताया कि बिस्तर पर लेटकर बीड़ी अथवा सिगरेट का सेवन नहीं करना चाहिए। माचिस और लाइटर को बच्चों से दूर रखा चाहिए। फायर विभाग के कर्मचारियों ने गैस सिलेंडर के सुरक्षित उपयोग के बारे में भी बताया।

अस्पताल के डॉक्टरों और कर्मचारियों को अग्निशमन उपकरणों के बारे में बताते फायर ब्रिगेड के कर्मचारी।

अगर किसी तरह गैस रिसाव का पता लगे तो तुरंत आस–पास के एरिया में आग को तुरंत बुझा देना चाहिए ताकि बड़े हादसे को टाला जा सके। मॉक ड्रिल के दौरान हॉस्पिटल कर्मियों को फायर एक्सटिंग्विशर सहित आग को बुझाने वाले उपकरणों के इस्तेमाल का प्रशिक्षिण दिया गया। साथ ही आपात स्थिति में मरीजों और अन्य लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने के तरीकों का भी अभ्यास कराया गया। इस

कर्मियों को आग बुझाने के उपकरणों की दी जानकारी

दौरान सीएमएस डॉ. नीरज अग्रवाल ने कहा कि इस प्रकाल की मॉक ड्रिल से अस्पताल का स्टाफ को आपातकालीन परिस्थितियों से सही तरीके से कार्य करने का प्रशिक्षण मिलता है। उन्होंने कहा कि यह अभ्यास किसी भी बड़ी दुर्घटना की स्थिति में जनहानि और संपत्ति को होने वाले नुकसान को कम करने में सहायक होगा। इस मौके पर अस्पताल के डॉक्टर, फार्मासिस्ट स्टाव मौजूद रहा।

रोडवेज बस के पहिए से कुचलकर वृद्धा की मौत

चालक और परिचालक बस को छोड़कर भागे

महिला अलीगढ़ जनपद की रहने वाली थी

यूनिक समय, मथुरा। गोवर्धन बस स्टैंड पर एक वृद्धा की रोडवेज बस के पहिए से कुचलकर मौत हो गई। महिला की शिनाख्त अलीगढ़ की रहने वाली पातरी के रूप में हुई है।

बताया गया है कि सीओ कार्यालय से चंद कदम की दूरी पर गोवर्धन के रोडवेज बस स्टैंड में यूपी रोडवेज की एक बस चालक की लापरवाही के चलते बस स्टैंड में बस को लाने के दौरान एक वृद्ध महिला बस के पहिए के नीचे आकर कुचल गई। वृद्धा की मौत के बाद चालक और परिचालक बस को छोड़ कर भाग गए। इस दृश्य को देख बस अड्डे पर मौजूद सवारियों में हड़कंप मच गया। पुलिस को भी इस बारे में सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने वृद्धा के शव की शिनाख्त के लिए तलाशी की। पुलिस ने महिला की पहचान पतरी निवासी ग्राम धंधोली थाना टप्पल जिला अलीगढ़ के रूप में हुई। पुलिस ने वृद्धा के परिवारीजनों को इस दुखद घटना के बारे में सूचना दी। इसके साथ ही महिला के शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

बीएसए ने पढ़ाई, सुरक्षा और सुविधाओं का लिया जायजा

फरह कस्तूरबा विद्यालय पहुंचकर बच्चियों से बात साझा करती बीएसए रतन कीर्ति।

बीएसए को विद्यालय में देख छात्राओं में रहा उत्साह

यूनिक समय, मथुरा। रात का समय था अधिकांश लोग अपने घरों में आराम कर रहे थे, लेकिन फरह स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में उस समय हलचल बढ़ गई, जब बेसिक शिक्षा अधिकारी रतन कीर्ति अचानक निरीक्षण के लिए पहुंच गईं। देर रात हुए इस निरीक्षण में छात्राओं की पढ़ाई से लेकर भोजन, सुरक्षा और हॉस्टल की व्यवस्थाओं तक हर पहलू को बारीकी से परखा गया। निरीक्षण के दौरान बीएसए ने सबसे पहले छात्राओं से सीधे बातचीत की। बच्चियों से पूछा गया कि उन्हें पढ़ाई में किसी प्रकार की परेशानी तो नहीं है, भोजन समय पर मिल रहा है या नहीं और हॉस्टल में रहने के दौरान उन्हें किसी तरह की दिक्कत तो नहीं होती। छात्राओं ने खुलकर अपनी बातें रखीं और विद्यालय में मिल रही सुविधाओं की जानकारी दी। भोजन की गुणवत्ता, साफ–सफाई और रसोई व्यवस्था को ध्यान से देखा गया। उन्होंने विद्यालय स्टाफ को निर्देश दिए कि बच्चियों की सुरक्षा और शिक्षा में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि छात्राओं को सुरक्षित और पारिवारिक माहौल देना विद्यालय की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने बच्चियों का उत्साह बढ़ाते हुए उन्हें मन लगाकर पढ़ाई करने और अपने सपनों को पूरा करने के लिए प्रेरित किया। बीएसए ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता है कि हर बच्ची सुरक्षित वातावरण में अच्छी शिक्षा प्राप्त करे और आत्मनिर्भर बने।

दुर्घटना में बाइक सवार महिला की मौत

ट्रक ने बाइक को मारी टक्कर, पति घायल

यूनिक समय, मथुरा। थाना हाईवे के मिर्जापुर पुराने एआरटीओ कार्याल के पुल के समीप बाइक को ट्रक ने टक्कर मार दी। दुर्घटना में महिला की मौत हो गई। पति घायल हो गया। थाना बल्देव के गांव धंघेटा के रहने वाले जितेंद्र अपनी पत्नी वंदना(26) के साथ बाइक पर जा रहे थे। राष्ट्रीय राजमार्ग पर थाना हाईवे के पुराने एआरटीओ कार्यालय के समीप बाइक को तेज गति से आते ट्रक ने टक्कर मार दी। दुर्घटना में वंदना बुरी तरह घायल हो गई और जितेंद्र भी घायल हो गया।

दुर्घटना में कुछ देर बाद वंदना की मौत हो गई। पुलिस ने महिला के शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बताया गया जितेंद्र को हलकी चोट आई है।

25 हजार का इनामी साइबर ठग गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। शेरगढ़ पुलिस ने साइबर ठगी के मामले में वांछित चल रहे 25 हजार रुपये के इनामिया अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। साइबर ठगी के मामले में अभियुक्त आबिद निवासी विशम्भरा को पुलिस ने विशम्भरा के समीप से गिरफ्तार किया है। उसकी गिरफ्तारी पर पुलिस विभाग की ओर से पच्चीस हजार रुपये का इनाम भी घोषित है। आबिद भोले भाले लोगों को बहला–फुसला कर और नौकरी आदि का लालच देकर लोगों के साथ ठगी करता था।

गैंगस्टर की नौ लाख से अधिक की संपत्ति कुर्क

यूनिक समय, मथुरा। मगोर्रा पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट के एक अपराधी की नौ लाख 15 हजार रुपये की संपत्ति को कुर्क कराया। 2/3 गैंगस्टर एक्ट के अभियुक्त पवन निवासी इकतारा थाना डौकी जिला आहरा हाल निवासी एटीवी के पीछे कृष्णाधाम कालोनी की संपत्ति को कोर्ट के आदेश पर कुर्क किया। कुर्क की गई संपत्ति में एक आवासीय प्लाट कृष्णाधाम कालोनी में तथा दूसरा प्लाट नगला काशी की संपत्ति को कुर्क किया है।

दुराचार करने वाला बाल अपचारी पुलिस अभिरक्षा में

यूनिक समय, मथुरा। मगोर्रा पुलिस ने नाबालिग से दुराचार करने वाले बाल अपचारी को लिया अभिरक्षा में। मगोर्रा पुलिस ने सौंख रोड नगला टौंटा को जाने वाले रास्ते से नाबालिग किशोरी के साथ दुराचार करने वाले बाल अपचारी को नियमानुसार अपनी अभिरक्षा में लिया है।

किसान के 65 हजार रुपये चोरी सीसीटीवी खंगाल रही पुलिस

यूनिक समय, राया (मथुरा)। थाना क्षेत्र के नीमगांव तिराहे के समीप किसान की जेब से 65 हजार रुपये चोरी होने का मामला सामने आया है।

जानकारी के अनुसार जावरा मांट निवासी देवेंद्र सिंह मंडी में गेहूं बेचकर वापस लौट रहे थे। उनके साथ बाइक पर एक अन्य व्यक्ति भी मौजूद था। पीड़ित का आरोप है कि इसी दौरान सामने से आ रही एक बाइक से उनकी टक्कर हो गई। आरोप है कि इसी अफरा–तफरी के बीच उनकी जेब से किसी ने 65 हजार रुपये चोरी कर लिए।

घटना के बाद पीड़ित ने राया थाने पहुंचकर पुलिस को सूचना दी। मामले को गंभीरता से लेते हुए थाना प्रभारी निरीक्षक कर्मवीर सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की।

थाना प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि पीड़ित द्वारा बताई गई घटना फिलहाल आसपास के किसी भी सीसीटीवी कैमरे में स्पष्ट रूप से दिखाई नहीं दे रही है। पीड़ित द्वारा पुलिस को अभी कोई तहरीर नहीं मिली है। फिर भी पूरे मामले की गहनता से जांच चल रही है। उन्होंने कहा कि जांच के बाद जो तथ्य सामने आएंगे, उसी आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अधिक मास में ठाकुर द्वारकाधीश मंदिर सजेगा भव्य मनोरथों से

17 मई से 15 जून तक होंगे धार्मिक आयोजन

श्रद्धालुओं की सुविधा को लेकर प्रशासनिक तैयारी तेज

यूनिक समय, मथुरा। पुष्टिमार्गीय संप्रदाय के प्रसिद्ध ठाकुर द्वारकाधीश मंदिर में अधिक मास (पुरुषोत्तम मास) के अवसर पर 17 मई से 15 जून तक विविध मनोरथों और उत्सवों का भव्य आयोजन किया जाएगा। मंदिर के विधि एवं मीडिया प्रभारी राकेश तिवारी ने बताया कि यह आयोजन गोस्वामी श्री श्री 108 डॉ. वागीश कुमार जी महाराज के निर्देशन में संपन्न होंगे।

अधिक मास के दौरान पालना, गुलाबी गणगौर, चीरहरण, नौका विहार, नंदोत्सव, होली, विवाह महोत्सव, रथयात्रा, फूल बंगला, शरद रास और विभिन्न घटाओं के मनोरथ आयोजित किए जाएंगे। मंदिर प्रशासन के अनुसार इस पवित्र माह में वर्षभर के प्रमुख उत्सव एक ही महीने में मनाए जाएंगे, जिससे देशभर से श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। मंदिर प्रशासन ने श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए विशेष सुरक्षा और ट्रैफिक व्यवस्था की मांग प्रशासन से करने की बात कही है। सभी द्वारों पर अतिरिक्त प्रबंध किए जाएंगे ताकि दर्शनार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

राकेश तिवारी ने बताया कि जो भक्त विशेष मनोरथ कराना चाहते हैं, वे मंदिर के समाधान कार्यालय में संपर्क कर सकते हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार पुरुषोत्तम मास में किया गया दान–पुण्य सीधे ठाकुर जी को अर्पित होता है।

भगवान परशुराम शोभायात्रा कमेटी महोली रोड़ द्वारा 31 मई को निकाली जाने वाली शोभायात्रा के कार्ड का विमोचन किया गया।

प्रीपेड से पोस्टपेड मोड में होंगे सभी स्मार्ट मीटर

यूनिक समय, मथुरा। उत्तर प्रदेश पॉवर कॉरपोरेशन मुख्यालय लखनऊ के निर्देश पर जनपद में आरडीएसएस योजना के अंतर्गत लगाए गए सभी स्मार्ट प्रीपेड बिजली मीटरों को पोस्टपेड प्रणाली में परिवर्तित किया जा रहा है। विभागीय अधिकारियों को जारी आदेश में कहा गया है कि मई–2026 की बिजली खपत का बिल जून–2026 में पोस्टपेड व्यवस्था के तहत जारी किया जाएगा। मुख्यालय स्तर से आरएमएस बैंकएंड प्रणाली के माध्यम से यह परिवर्तन स्वतः किया जाएगा। उपभोक्ताओं को हर माह बिजली बिल एसएमएस और व्हाट्सएप के जरिए उपलब्ध कराया जाएगा। साथ ही सभी स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं के बिल प्रत्येक माह की 10 तारीख तक जारी करने के निर्देश दिए गए हैं। ऊर्जा विभाग के अनुसार यदि किसी क्षेत्र में नेटवर्क

अथवा नॉन–कम्यूनिकेशन की समस्या के कारण ऑटोमैटिक रीडिंग प्राप्त नहीं होती है तो पांच तारीख तक ऐसे मामलों में मैनुअल रीडिंग लेकर समय से बिल उपलब्ध कराया जाएगा। जिन उपभोक्ताओं के मोबाइल नंबर दर्ज नहीं हैं या त्रुटिपूर्ण हैं, वे 1912 आईवीआरएस सेवा और व्हाट्सएप चैटबॉट के माध्यम से अपना बिल प्राप्त कर सकेंगे। जिले में अब सभी नए बिजली संयोजन स्मार्ट पोस्टपेड मोड में

मई माह की खपत का बिल जून में मिलेगा

15 मई से जिलेभर में लगेंगे शिकायत निस्तारण कैंप

बिजली बिल जमा करने के लिए मिलेगा अतिरिक्त समय

जारी किए जाएंगे। पूर्व में प्रीपेड प्रणाली लागू होने के दौरान समायोजित की गई सिक्योरिटी धनराशि को अब विद्युत प्रदाय संहिता–2005 और कॉस्ट डाटा बुक–2026 के अनुसार चार समान किस्तों में उपभोक्ताओं के बिलों में जोड़ा जाएगा। यह प्रक्रिया जुलाई–2026 से शुरू होगी। नई व्यवस्था के तहत उपभोक्ताओं को बिल जारी होने की तिथि से 15 दिन का ड्यू डेट मिलेगा। इसके बाद सात दिन का अतिरिक्त समय डिस्कनेक्शन अवधि के रूप में निर्धारित रहेगा। तय समय तक भुगतान नहीं होने पर विलंब अधिभार लगाया जाएगा। घरेलू श्रेणी के उपभोक्ताओं को राहत देते हुए 30 अप्रैल 2026 तक के बकाये को किस्तों में जमा करने की सुविधा प्रदान की गई

अन्य श्रेणी के उपभोक्ताओं को भी 40 प्रतिशत, 30 प्रतिशत और 30 प्रतिशत की तीन किस्तों में भुगतान करने का विकल्प मिलेगा। स्मार्ट मीटर और बिजली बिल संबंधी शिकायतों के समाधान के लिए 15 मई से 30 जून 2026 तक जिले के अधिशासी अभियंता और उपखंड अधिकारी कार्यालयों में विशेष कैंप लगाए जाएंगे। इसके लिए 1912 हेल्पलाइन पर भी अलग व्यवस्था लागू की जा रही है।